दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली ।। रविवार 17 मार्च -2024 | ● वर्ष : 8 अंक : 158 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

करंट क्राइम के होली मिलन में दूर होंगी असरदार सरदार भाइयों की दूरियां

सीन 1

भाजपा ज़िला अध्यक्ष ने रख दी लोकदल वालों से गजब की शर्त

सीन 2

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली ।। रविवार 17 मार्च -2024 | ● वर्ष : 8 अंक : 158 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

लोकसभा चुनाव 7 चरण में होंगे
यूपी में सात चरणों में होंगे मतदान

नई दिल्ली। जिस समय का लंबे वक्त से इंतजार था, आखिर वह आ ही गया। चुनाव आयोग शनिवार को लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर रहा है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सबसे पहले कहा कि चुनाव का पर्व, देश का गर्व। उन्होंने बताया कि इस बार 96.8 करोड़ वोटर्स वोट डालने जा रहे हैं। यानी कि करीब 97 करोड़ लोग लोकसभा चुनाव में वोट डालेंगे। आगामी लोकसभा चुनाव में करीब 1.8 करोड़ वोटर्स ऐसे हैं, जो पहली बार किसी चुनाव में वोट डालने वाले हैं। इसके अलावा 20-29 साल की उम्र के बीच के वोटर्स की संख्या 19.47 करोड़ है। चुनाव आयोग ने बताया है कि जिन उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड हैं, उन्हें तीन बार इसकी जानकारी देते हुए इश्तिहार देना होगा।

विस्तृत खबर पेज 2 पर

26 अप्रैल को होगा गाजियाबाद में लोकसभा चुनाव

29 लाख 38 हजार 845 मतदाता चुनेंगे अपना सांसद

4 अप्रैल है नाम दाखिल की अंतिम तिथि और 8 अप्रैल को होगा नाम वापसी

गौरव शशि नारायण

गाजियाबाद, करंट क्राइम।। आगामी लोकसभा चुनाव-2024 की सभी प्रक्रिया आचार संहिता लागू होते ही शुरू कर दी गई हैं। शनिवार की शाम जिला मुख्यालय के महात्मा गांधी सभागार में रिटर्निंग ऑफिसर और जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने पत्रकारों को आगामी लोकसभा चुनाव के संबंध में प्रेसवार्ता के दौरान संबोधित किया। इस दौरान चुनाव को संपन्न कराने की तमाम व्यवस्थाओं से लेकर जिम्मेदार अधिकारियों को दी गई ड्यूटी और मतदाताओं के साथ ही मतदान स्थल और सेक्टर, जोन की भी जानकारी दी गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी और रिटर्निंग ऑफिसर इन्द्र विक्रम सिंह ने बताया है कि लोकसभा निर्वाचन चुनाव-2019 में जनपद में कुल 691 मतदान केंद्र के 3048 मतदेय स्थल पर कुल 26 लाख 34 हजार 11 मतदाता पंजीकृत थे जबकि इस बार मतदाताओं की संख्या में वृद्धि हुई है। इस बार कुल 29 लाख 38 हजार 845 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। गाजियाबाद के अंतर्गत कुल 841 मतदान केंद्र में 3197 मतदेय स्थल हैं, जहां 26 अप्रैल 2024 को लोकसभा सीट के लिए मतदान किया गया है। जिसमें गाजियाबाद, साहिबाबाद, मुरादनगर लोनी, मोदीनगर और धौलाना आंशिक के मिलाकर कुल 439 क्रिटिकल मतदेय स्थल हैं। तो वहीं पर बर्नलेवल की संख्या 71 दर्ज की गई है। चुनाव में कुल 27 जोनल मजिस्ट्रेट और 194 सेक्टर मजिस्ट्रेट लोकसभा चुनाव को संपन्न करने के लिए बनाए गए हैं।

कमरा नंबर 102 में होगा नामांकन

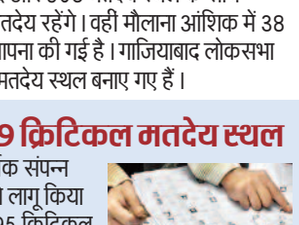

करंट क्राइम। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। आचार संहिता लागू होने और चुनाव की तिथि घोषित होने के बाद अब प्रशासनिक तैयारियां अंतिम दौर पर आ गई हैं। लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र की संख्या व नाम गाजियाबाद 12 रहेगा। रिटर्निंग ऑफिसर इन्द्र विक्रम सिंह ने बताया है कि नामांकन स्थल संख्या-102 ग्राउंड फ्लोर कलेक्ट्रेट गाजियाबाद बनाया गया है। यहां 4 अप्रैल नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि होगी। इसके साथ ही 5 अप्रैल को स्कूटनी और आठ अप्रैल को नाम वापसी का अंतिम दिन रहेगा।

इनको बनाया गया है सहायक रिटर्निंग ऑफिसर

करंट क्राइम। विधानसभा-53 लोनी में सहायक रिटर्निंग ऑफिसर के रूप में उपजिला अधिकारी लोनी निखिल चक्रवर्ती को बनाया गया है। तो विधानसभा-54 मुरादनगर में अपर उप जिला अधिकारी गाजियाबाद चंद्रेश कुमार बनाए गए हैं। वहीं उपजिलाधिकारी साहिबाबाद-55 अरुण दीक्षित को बनाया गया है। नगर मजिस्ट्रेट गाजियाबाद अजय को गाजियाबाद-56 विधानसभा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। तो उप जिलाधिकारी मोदीनगर डा. पूजा गुप्ता को मोदीनगर-57 की कमान दी गई है।

27 जोनल मजिस्ट्रेट और 194 सेक्टर मजिस्ट्रेट संभालेंगे कमान

करंट क्राइम। लोकसभा चुनाव को बेहतर ढंग से करने के लिए लोनी विधानसभा में तीन जोनल मजिस्ट्रेट और 41 सेक्टर मजिस्ट्रेट, मुरादनगर में 7 जोनल मजिस्ट्रेट और 35 सेक्टर मजिस्ट्रेट, साहिबाबाद में 7 जोनल मजिस्ट्रेट और 57 सेक्टर मजिस्ट्रेट, गाजियाबाद में 4 जोनल मजिस्ट्रेट और 22 सेक्टर मजिस्ट्रेट, मोदीनगर में चार जोनल मजिस्ट्रेट और 29 सेक्टर मजिस्ट्रेट, इसके साथ ही धौलाना आंशिक में दो जोनल मजिस्ट्रेट और 10 सेक्टर मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगाइ गई है।

साहिबाबाद की हाईराइज सोसाइटी में सर्वाधिक मतदेय स्थल

करंट क्राइम। आगामी लोकसभा चुनाव में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर इस बार ग्रुप हाउसिंग सोसायटी और बहुमंजिला इमारत वाली हाई राइज बिल्डिंग में भी मत देय स्थल बनाए गए हैं ताकि लोग आसानी से मतदान कर सकें। जिला प्रशासन और रिटर्निंग ऑफिसर का मकसद है कि चुनाव में मतदान का प्रतिशत बढ़ाया जाए। इसके तहत लोनी में तीन, मुरादनगर में पांच, साहिबाबाद में सर्वाधिक 21 और गाजियाबाद में 6 कुल मिलाकर 35 भवनों में मतदेय स्थल बनाए जाएंगे। इन मतदेय स्थानों की संख्या कुल 52 रहेगी। जिसमें साहिबाबाद में 33 गाजियाबाद में सात, मुरादनगर और लोनी में भी 6-6 मतदेय स्थल बनाए गए हैं।

29 लाख 38 हजार 845 मतदाता बनेंगे भाग्य विधाता

करंट क्राइम। लोकसभा चुनाव के लिए गाजियाबाद लोकसभा सीट पर कुल मतदाताओं की संख्या 29 लाख 38 हजार 845 है, जिसमें 16 लाख 22 हजार 869 पुरुष मतदाता और 13 लाख 15 हजार 782 महिला मतदाता शामिल हैं। अन्य में 194 मतदाता आते हैं ।

18 से 19 वर्ष की आयु वाले 25000 से अधिक हैं मतदाता

करंट क्राइम। लोकसभा चुनाव में युवा मतदाताओं का भी बोलबाला देखने को मिलेगा। गाजियाबाद की अलग-अलग पांच और एक आंशिक विधानसभा सीट को मिलाकर गाजियाबाद में 18 से 19 प्लस की आयु वाले मतदाताओं की संख्या 25748 है। जिसमें सर्वाधिक युवा मतदाता साहिबाबाद के अंतर्गत 7781, लोनी में 5982, मुरादनगर 4518, गाजियाबाद 3304, मोदीनगर 3133 और धौलाना आंशिक 1030 रहेगी।

साहिबाबाद में सबसे ज्यादा 263 मतदान केंद्र

करंट क्राइम। आगामी लोकसभा चुनाव में लोनी विधानसभा के अंतर्गत कुल 146 मतदान केंद्र और 534 मतदेल स्थल रहेंगे। तो वही मुरादनगर में 153 मतदान केंद्र और 514 मतदेय स्थल बनाए गए हैं। साहिबाबाद में सर्वाधिक 263 मतदान केंद्र और 1127 मतदेय स्थल बनाए गए हैं। वही गाजियाबाद में 119 मतदान केंद्र और 506 मतदेय स्थल के साथ मोदीनगर में 122 मतदान केंद्र और 387 मतदेय रहेंगे। वही मौलाना आंशिक में 38 मतदान केंद्र और 133 मतदेय स्थल की स्थापना की गई है। गाजियाबाद लोकसभा क्षेत्र में कुल 841 मतदान केंद्र और 3197 मतदेय स्थल बनाए गए हैं।

साहिबाबाद में सर्वाधिक 109 क्रिटिकल मतदेय स्थल

करंट क्राइम। लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्वक संपन्न करने के लिए कई तरह की व्यवस्थाओं को लागू किया गया है। इस दौरान लोनी के अंतर्गत कुल 95 क्रिटिकल मतदेय स्थल हैं। तो वहीं 71 मुरादनगर, साहिबाबाद में सर्वाधिक 109, गाजियाबाद में 72 मोदीनगर में 92 कुल मिलाकर गाजियाबाद लोकसभा में 439 क्रिटिकल मतदेय स्थल हैं जबकि बर्नलेवल मतदेय स्थल 71 रहेंगे।

1950 रहेगा कंट्रोल रूम का नंबर

करंट क्राइम। जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने कहा है कि निर्वाचन संबंधी नियंत्रण कक्ष कंट्रोल रूम की स्थापना कलेक्ट्रेट स्थित कक्ष संख्या 309 जिला निर्वाचन कार्यालय में की गई है। जिसमें स्थापित दूरभाष का नंबर 1950 रहेगा। इस पर किसी भी प्रकार की चुनावी संबंधी समस्या एवं शिकायत को दर्ज कराया जा सकता है।

दिव्यांगों का भी रहेगा बड़ा योगदान

लोकसभा चुनाव में आयोग द्वारा इस बार दिव्यांगजनों को मतदान केंद्र तक ले जाने और ऐसे दिव्यांग जो 40% से अधिक दिव्यांग होते हैं, उनके घर पर ही मतदान करने का प्रावधान दिया गया है। गाजियाबाद के निर्वाचन अधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने जानकारी दी है कि जनपद में कुल 13602 दिव्यांगजन हैं, जो अलग-अलग मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। उन्होंने कहा है कि पहले के चुनाव में भी देखा गया है कि दिव्यांगजनों में मतदान को लेकर बेहद रूचि रहती है और आगामी लोकसभा चुनाव-2024 के मतदान अवसर पर भी ऐसा नजारा पुनः देखने को मिलेगा।

1598 मतदेय स्थल पर सीधे आयोग रखेगा नजर, होगी वेब कास्टिंग

करंट क्राइम। आगामी लोकसभा चुनाव में किसी प्रकार की गड़बड़ी ना हो और कोई आरोप प्रत्यारोप ना कर सके इसीलिए गाजियाबाद के कुल 3197 मतदेय स्थल में से 1598 मतदेय स्थल पर वेब कास्टिंग की जाएगी। इस वेब कास्टिंग का फायदा यह होगा कि यहां की लाइव गतिविधियों को चुनाव आयोग और मॉनिटरिंग करने वाली टीम देखने का काम करेंगी।

तीन स्थानों से पोलिंग पार्टी होगी रवाना

करंट क्राइम। लोकसभा चुनाव-2024 में 26 अप्रैल को गाजियाबाद में मतदान होगा। मतदान से एक शाम पूर्व अलग-अलग विधानसभा क्षेत्र के लिए पोलिंग पार्टी रवाना की जाएगी। वह वहां से ईवीएम के साथ ही सुरक्षा बलों का काफिला लेकर अपने मतदान केंद्र के लिए जाएंगे। जिसमें लोनी विधानसभा क्षेत्र की टीमों को टीला शाहबाजपुर लोनी के दिल्ली पब्लिक स्कूल साहिबाबाद से रवाना किया जाएगा। तो वहीं मुरादनगर और मोदीनगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मतदान केंद्रों के लिए रामलीला मैदान कवि नगर गाजियाबाद से पोलिंग पार्टी भेजी जाएगी। इसी के साथ साहिबाबाद और गाजियाबाद के अलावा धौलाना आशिक के जो पोलिंग पार्टियों गाजियाबाद से रवाना होगी, उनका स्थान केंद्रीय विद्यालय कमला नेहरू नगर का मैदान रहेगा।

24 नोडल अधिकारी संभालेंगे निर्वाचन संबंधित जिम्मेदारी

करंट क्राइम। आगामी लोकसभा चुनाव को सफलतापूर्वक करने के लिए प्रशासन ने पूरी तैयारी की है। जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने शनिवार को पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया है कि निर्वाचन संबंधी पूरी प्रक्रिया को करने के लिए कुल 24 नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। जिसमें मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल को मैनपॉवर मैनेजमेंट की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही वह ट्रेनिंग मैनेजमेंट का भी जिम्मा संभालेंगे। मैटेरियल मैनेजमेंट के लिए अपर जिला अधिकारी भू शैलेंद्र कुमार भाटिया को बनाया गया है। वही ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट का जिम्मा अपर जिला अधिकारी नगर गंभीर सिंह को दिया गया है। कंप्यूटराइजेशन और साइबर सिक्योरिटी के साथ ही आईटी की जिम्मेदारी जिला सूचना विज्ञान अधिकारी अजय कुमार तायल को दी गई है। चुनाव के मुख्य कार्य स्वीप की व्यवस्था के लिए मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल को जिम्मेदारी सौंपी दी गई है। इसके साथ ही लॉ एंड ऑर्डर और सिक्योरिटी प्लान के लिए अपर जिला अधिकारी नगर गंभीर सिंह को नियुक्त किया गया है। ईवीएम मैनेजमेंट के लिए शैलेंद्र कुमार भाटिया अपर जिलाधिकारी, एमसीसी के लिए अपर जिला अधिकारी नगर गंभीर सिंह, एक्सपेंडिचर मॉनिटरिंग के लिए सौरभ भट्ट अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को प्रभार दिया गया है। वही बैलट पेपर और पोस्टल बैलट पेपर की जिम्मेदारी शैलेंद्र कुमार भाटिया संभालेंगे। वहीं मीडिया, पेड न्यूज और अन्य सूचना सौरभ भट्ट अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गाजियाबाद के साथ ही कम्युनिकेशन प्लान भी उनके जिम्में रहेगा। वही इलेक्ट्रोल रूम रणविजय सिंह अपर जिलाधिकारी प्रशासन के जिम्मे रहेगा। कंप्लेंट्स और वोटर हेल्पलाइन की जिम्मेदारी सौरभ भट्ट अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व के साथ ही ऑब्जरवेशन का काम अपर जिला अधिकारी नगर गंभीर सिंह संभालेंगे।

यह टीमें भी रखेंगी नजर लोकसभा चुनाव को

करंट क्राइम। शांतिपूर्वक संपन्न करने के लिए कुल 18 स्टैटिक सर्विलेंस टीम, फ्लाइंग स्क्वायड टीम 18,वीडियो सर्विलांस टीम 6, वीडियो व्यूइंग टीम 6 और सहायक व आब्जर्वर के रूप में 6 अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। आचार संहिता का पालन करने के लिए कुल 30 टीमों का गठन किया गया है।

आचार संहिता का नोडल प्रभारी बनाए गए अपर जिला अधिकारी नगर

करंट क्राइम। आचार संहिता लागू होने के बाद उसको प्रभावी रूप से लागू करने और पूरी व्यवस्था को सफलता के साथ करने के लिए गंभीर सिंह को आदर्श आचार संहिता का नोडल अधिकारी नामित किया गया है। आदर्श आचार संहिता के लिए कुल 30 में गठित की गई हैं। जनपद में निर्वाचन के दौरान शस्त्रों की स्क्रीनिंग हेतु स्क्रीनिंग कमेटी का भी गठन किया गया है ।

कम वोटिंग को लेकर रिटर्निंग ऑफिसर दिखे गंभीर

करंट क्राइम। आगामी लोकसभा चुनाव में रिटर्निंग ऑफिसर इन्द्र विक्रम सिंह कम वोटिंग को लेकर चिंतित नजर आए। उन्होंने कहा है कि पुराने रिकार्ड बताते हैं कि यहां का मतदान प्रतिशत कम रहता है। इस बार इसको बढ़ाने को जोर देना है। कई तरीके की नई तैयारी भी की जा रही हैं। उन्होंने लोगों ने अपील की है कि वह हर हाल में मतदान करें। इस लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भागीदारी अवश्य दें। इस दिन को वह वोटिंग दे और पोलिंग डे के रूप में मनाया ना कि इसे हॉलिडे के रूप में। इस दौरान उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ही मीडिया और सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाले लोगों से भी कहा है कि वह सभी वर्ग से मतदान करने की अपील करें। हर व्यक्ति मतदान स्थल तक जाए और अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

हर विधानसभा में बनेगा महिला और युवा बूथ

करंट क्राइम। आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान के प्रतिशत को बढ़ाने के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक-एक महिला बूथ और एक-एक युवा बूथ की स्थापना की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया है कि प्रत्येक महिला बूथ पर महिला कर्मचारी अधिकारी मौजूद रहेंगे। साथ ही यहां सेल्फी और पिंक थीम भी नजर आएगी। इसके साथ ही जो युवा बूथ होगा, वहां बेहद कम उम्र के अधिकारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। वह यंग एवं डायनामिक भी होंगे। इस सब प्रक्रियाओं का मकसद चुनाव प्रतिशत को बढ़ाना है।

नियम तोड़ने वालों पर होगी कार्रवाई ,सोशल मीडिया पर भी है नजर : एडिशनल सीपी

करंट क्राइम। चुनावी आचार संहिता लागू होने के बाद पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के अधिकारी भी अलर्ट मोड पर आ गए हैं। एडिशनल सीपी दिनेश कुमार पी ने चुनावी आचार संहिता लागू होने के बाद जिला निर्वाचन अधिकारी एवं रिटर्निंग ऑफिसर इन्द्र विक्रम सिंह से मुलाकात भी की है। साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव में आदर्श आचार संहिता का पालन कराया जा सके, ऐसे में लोग कहीं पर कानून व्यवस्था और किसी प्रकार की गड़बड़ी न करें ,इसको लेकर सोशल मीडिया के साथ ही मॉनिटरिंग टीमों को भी अलर्ट कर दिया गया है।

लोकसभा चुनाव 7 चरण में होंगे, 96.8 करोड़ वोटर्स डालेंगे वोट

नई दिल्ली। जिस समय का लंबे वक्त से इंतजार था, आखिर वह आ ही गया। चुनाव आयोग शनिवार को लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर रहा है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सबसे पहले कहा कि चुनाव का पर्व, देश का गर्व। उन्होंने बताया कि इस बार 96.8 करोड़ वोटर्स वोट डालने जा रहे हैं। यानी कि करीब 97 करोड़ लोग लोकसभा चुनाव में वोट डालेंगे। आगामी लोकसभा चुनाव में करीब 1.8 करोड़ वोटर्स ऐसे हैं, जो पहली बार किसी चुनाव में वोट डालने वाले हैं। इसके अलावा 20-29 साल की उम्र के बीच के वोटर्स की संख्या 19.47 करोड़ है। चुनाव आयोग ने बताया है कि जिन उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड हैं, उन्हें तीन बार इसकी जानकारी देते हुए इश्तिहार देना होगा।

कुल मतदाताओं में 49.7 करोड़ पुरुष, 47.1 करोड़ महिलाएं, 48 हजार ट्रांसजेंडर शामिल हैं। चुनाव आयोग के आंकड़े के अनुसार, देशभर में मतदाता लिंगानुपात 948 है, 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं की संख्या अधिक है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया, "हमारी मतदाता सूची में 85 साल से अधिक उम्र के 82 लाख और सौ साल से अधिक उम्र के 2.18 लाख मतदाता शामिल हैं।"

चुनाव आयोग ने चुनाव के दौरान फेक न्यूज फैलाए जाने पर भी चिंता जताई है। इस दौरान सोशल मीडिया पर भी काफी नजर रहेगी और फेक न्यूज फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ने इस दौरान कुछ पंक्तियां भी सुनाईं जिनकी शुरूआत थी 'झूठ के बाजार में रौनक बहुत है, मगर यह बुलबुला है।'

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि हम देश को वास्तव में उत्सवपूर्ण, लोकतांत्रिक माहौल देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। 17वीं लोकसभा का कार्यकाल 16 जून 2024 को समाप्त होने वाला है। आंध्र प्रदेश, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम की विधानसभाओं का कार्यकाल भी जून 2024 में खत्म होने वाला है। जम्मू और कश्मीर में भी चुनाव होने हैं।"

आम चुनाव में मुख्य मुकाबला बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए और कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, सपा जैसे विपक्षी दलों के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन से होगा। पीएम मोदी जहां बीजेपी के 370 और एनडीए के 400 सीटें जीतने का दावा कर रहे हैं तो वहीं विपक्षी दलों ने अपनी जीत के दावे किए हैं। अब तक बीजेपी ने उम्मीदवारों की दो सूची जारी की है, जिसमें कुल 267 कैंडिडेट्स के नाम घोषित किए गए हैं।

उधर, कांग्रेस भी अब तक दो लिस्ट जारी कर चुकी है। पहली लिस्ट में 39 और दूसरी लिस्ट में 43 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया गया था। पिछला लोकसभा चुनाव साल 2019 में अप्रैल-मई महीने में करवाया गया था। कुल सात चरणों में हुए मतदान के बाद 23 मई को वोटों की गिनती हुई थी। बीजेपी ने अकेले दम पर लगातार दूसरी बार बहुमत हासिल करते हुए 303 सीटें जीती थीं, जबकि कांग्रेस को 52 सीटों पर जीत मिली थी।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सबसे पहले कहा कि चुनाव का पर्व, देश का गर्व। उन्होंने बताया कि इस बार 96.8 करोड़ वोटर्स वोट डालने जा रहे हैं।

4 राज्यों में विधानसभा चुनाव

- आम चुनाव के साथ 4 राज्यों में विधानसभा चुनाव भी होंगे। आंध्र प्रदेश में 13 मई को चुनाव होंगे। सिक्किम और अरुणाचल में 19 अप्रैल को वोटिंग। ओडिशा में मतदान 13 मई से 4 चरणों में होंगे।

26 विधानसभाओं में होंगे उपचुनाव

- हरियाणा, हिमाचल, झारखंड और यूपी समेत 26 विधानसभाओं में उपचुनाव होंगे।

इस बार 97 करोड़ वोटर्स

- मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि देश में 96.8 करोड़ वोटर्स हैं और 10 लाख से ज्यादा बूथ वोटिंग के लिए होंगे। राजीव कुमार ने कहा कि हमारे देश के चुनाव पर पूरी दुनिया की नजर होगी।
- उन्होंने कहा कि इस बार 1.8 करोड़ मतदाता पहली बार वोट करेंगे और कुल 21.5 करोड़ युवा वोटर्स होंगे। पुरुष मतदाताओं की संख्या 49.7 करोड़ है।

चुनाव आयुक्त की बड़ी बातें...

- लोकसभा का कार्यकाल 16 जून तक है।
- अब पार्टियों को अपने उम्मीदवार का क्रिमिनल रिकॉर्ड बताना होगा। इसी के साथ यह भी बताना होगा कि उस उम्मीदवार को क्यों टिकट दिया गया और क्षेत्र से किसी और व्यक्ति को टिकट क्यों नहीं दिया गया।
- इस बार 85 साल से ऊपर के वोटर घर से वोट दे सकते हैं।
- चुनाव आयुक्त ने बताया कि महिला वोटर्स की संख्या में इजाफा हुआ है।
- कई क्षेत्रों में तो महिला वोटर्स की संख्या पुरुषों से ज्यादा है। वहीं, इस बार 85 लाख 85 लाख फर्स्ट टाइम महिला वोटर्स होंगे।
- हर जिले में एक कंट्रोल रूम होगा।
- चुनाव एक पर्व और देश का गर्व
- चुनाव आयुक्त ने कहा कि भारत में चुनाव एक पर्व और देश का गर्व है। उन्होंने कहा कि हमारी टीम चुनावों के लिए तैयारी है। हम दो साल से चुनाव की तैयारियां कर रहे थे।

यूपी में सात चरणों में होंगे लोकसभा चुनाव, जानिए कब कहां पड़ेंगे वोट

लखनऊ। केंद्रीय चुनाव आयोग ने शनिवार को लोकसभा चुनाव 2024 के कार्यक्रम का ऐलान कर दिया। सबसे ज्यादा 80 लोकसभा सीटों वाले राज्य यूपी में सात चरणों में चुनाव कराया जाएगा और सारे नतीजे 4 जून को आएंगे।पहले चरण का नामांकन 20 मार्च से शुरू होगा और मतदान 19 अप्रैल को होगा। दूसरे चरण का नामांकन 28 मार्च को शुरू होगा। 26 अप्रैल को वोटिंग होगी। तीसरे चरण में नामांकन 12 अप्रैल को और वोटिंग 7 मई को होगी। चौथे चरण में 18 अप्रैल से नामांकन और 13 मई को वोटिंग होगी। पांचवें चरण का नामांकन 26 अप्रैल से शुरू होगा और वोटिंग 20 मई को होगी।

छठें चरण का नामांकन 29 अप्रैल को शुरू होगा और वोटिंग 25 मई को होगी। अंतिम और सातवें चरण का नामांकन 7 मई को शुरू होगा और एक जून को वोटिंग होगी। सभी चरण की गिनती एक साथ चार जून को होगी। सबसे पहले पश्चमी यूपी से चुनाव शुरू होगा। वाराणसी और पूर्वी यूपी में सबसे अंत में वोटिंग होगी। लखनऊ में पांचवे चरण और पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में सातवें चरण में वोटिंग होगी।

उत्तर प्रदेश की वाराणसी लोकसभा सीट से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार चुनाव लड़ेंगे जहां आखिरी चरण में 1 जून को मतदान होगा। पार्टी ने अब तक यूपी में 51 कैंडिडेट के नाम की घोषणा कर दी है और 25 सीटों पर भाजपा उम्मीदवार के नाम का ऐलान बाकी है। 2019 के चुनाव में भाजपा ने राज्य की 80 में 63 सीटें जीती थी जबकि सहयोगी अपना दल ने दो सीटें जीती थी। यूपी में 2014 का लोकसभा चुनाव भाजपा का सर्वोच्च रिजल्ट रहा है जब भाजपा ने 80 में 71 सीटें जीत ली थी और अपना दल को 2 सीट पर जीत मिली थी। सपा 5 और कांग्रेस 2 सीट पर सिमट गई थी।

पहले चरण में इन सीटों पर 19 अप्रैल को वोटिंग

सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगीना (एससी), मुरादाबाद, रामपुर, पीलीभीत

दूसरे चरण में इन सीटों पर 26 अप्रैल को मतदान

अमरोहा, मेरठ, बागपत,गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर (एससी), अलीगढ़, मथुरा

तीसरे चरण में इन सीटों पर 7 मई को पड़ेंगे वोट

संभल, हाथरस, आगरा, फतेहपुर सीकरी, फिरोजाबाद, मैनपुरी, एटा, बदायूं, आंवला, बरेली,

चौथे चरण में इन सीटों पर 13 मई को वोटिंग

शाहजहांपुर (एससी), लखीमपुर खीरी, धौरहरा, सीतापुर, हरदोई, मिसरिख, उन्नाव, फरुर्खाबाद, इटावा, कन्नौज, कानपुर, अकबरपुर, बहराइच

पांचवें चरण में इन सीटों पर 20 मई को वोटिंग

मोहनलालगंज, लखनऊ, रायबरेली, अमेठी, जालौन, झांसी, हमीरपुर, बांदा, फतेहपुर, कौशांबी, बाराबंकी, फैजाबाद, कैसरगंज, गोंडा,

छठे चरण में इन सीटों पर 25 मई को वोटिंग

सुलतानपुर, प्रतापगढ़, फूलपुर, इलाहाबाद, अंबेडकरनगर, श्रावस्ती, डुमरियागंज, बस्ती, संत कबीर नगर, लालगंज (एससी), आजमगढ, जौनपुर, मछलीशहर, भदोही

सातवें चरण में इन सीटों पर एक जून को मतदान

महाराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव (एससी), घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मिजार्पुर, रॉबर्ट्सगंज (एससी)

उत्तर प्रदेश में अलग-अलग चरणों का लोकसभा चुनाव कार्यक्रम

पहला चरण

नामांकन शुरू 20 मार्च
नामांकन की अंतिम तारीख 27 मार्च
नामांकन की जांच 28 मार्च
नाम वापसी 30 मार्च
मतदान 19 अप्रैल
मतगणना 04 जून

दूसरा चरण

नामांकन शुरू 28 मार्च
नामांकन की अंतिम तारीख 04 अप्रैल
नामांकन की जांच 05 अप्रैल
नाम वापसी 08 अप्रैल
मतदान 26 मई
मतगणना 04 जून

तीसरा चरण

नामांकन शुरू 12 अप्रैल
नामांकन की अंतिम तारीख 19 अप्रैल
नामांकन की जांच 20 अप्रैल
नाम वापसी 22 अप्रैल
मतदान 07 मई
मतगणना 04 जून

चौथा चरण

नामांकन शुरू 18 अप्रैल
नामांकन की अंतिम तारीख 25 अप्रैल
नामांकन की जांच 26 अप्रैल
नाम वापसी 29 अप्रैल
मतदान 13 मई
मतगणना 04 जून

पांचवां चरण

नामांकन शुरू 26 अप्रैल
नामांकन की अंतिम तारीख 03 मई
नामांकन की जांच 04 मई
नाम वापसी 06 मई
मतदान 20 मई
मतगणना 04 जून

छठा चरण

नामांकन शुरू 29 अप्रैल
नामांकन की अंतिम तारीख 06 मई
नामांकन की जांच 07 मई
नाम वापसी 09 मई
मतदान 25 मई
मतगणना 04 जून

सातवां चरण

नामांकन शुरू 07 मई
नामांकन की अंतिम तारीख 14 मई
नामांकन की जांच 15 मई
नाम वापसी 17 मई
मतदान 01 जून
मतगणना 04

लोकसभा सीट का नाम	मतदान चरण और तारीख
सहारनपुर	पहला चरण, 19 अप्रैल
कैराना	पहला चरण, 19 अप्रैल
मुजफ्फरनगर	पहला चरण, 19 अप्रैल
बिजनौर	पहला चरण, 19 अप्रैल
नगीना (एससी)	पहला चरण, 19 अप्रैल
मुरादाबाद	पहला चरण, 19 अप्रैल
रामपुर	पहला चरण, 19 अप्रैल
संभल	तीसरा चरण, 07 मई
अमरोहा	दूसरा चरण, 26 अप्रैल
मेरठ	दूसरा चरण, 26 अप्रैल
बागपत	दूसरा चरण, 26 अप्रैल
गाजियाबाद	दूसरा चरण, 26 अप्रैल
गौतम बुद्द नगर	दूसरा चरण, 26 अप्रैल
बुलंदशहर (एससी)	दूसरा चरण, 26 अप्रैल
अलीगढ़	दूसरा चरण, 26 अप्रैल
हाथरस	तीसरा चरण, 07 मई
मथुरा	दूसरा चरण, 26 अप्रैल
आगरा	तीसरा चरण, 07 मई
फतेहपुर सीकरी	तीसरा चरण, 07 मई
फिरोजाबाद	तीसरा चरण, 07 मई
मैनपुरी	तीसरा चरण, 07 मई
एटा	तीसरा चरण, 07 मई
बदायूं	तीसरा चरण, 07 मई
आंवला	तीसरा चरण, 07 मई
बरेली	तीसरा चरण, 07 मई
पीलीभीत	पहला चरण, 19 अप्रैल
शाहजहांपुर (एससी)	चौथा चरण, 13 मई
लखीमपुर खीरी	चौथा चरण, 13 मई
धौरहरा	चौथा चरण, 13 मई
सीतापुर	चौथा चरण, 13 मई
हरदोई	चौथा चरण, 13 मई
मिसरिख	चौथा चरण, 13 मई
उन्नाव	चौथा चरण, 13 मई
मोहनलालगंज	पांचवा चरण, 20 मई
लखनऊ	पांचवा चरण, 20 मई
रायबरेली	पांचवा चरण, 20 मई
अमेठी	पांचवा चरण, 20 मई
सुल्तानपुर	छठा चरण, 25 मई
प्रतापगढ़	छठा चरण, 25 मई
फरूर्खाबाद	चौथा चरण, 13 मई

लोकसभा सीट का नाम	मतदान चरण और तारीख
इटावा	चौथा चरण, 13 मई
कन्नौज	चौथा चरण, 13 मई
कानपुर	चौथा चरण, 13 मई
अकबरपुर	चौथा चरण, 13 मई
जालौन	पांचवा चरण, 20 मई
झांसी	पांचवा चरण, 20 मई
हमीरपुर	पांचवा चरण, 20 मई
बांदा	पांचवा चरण, 20 मई
फतेहपुर	पांचवा चरण, 20 मई
कौशांबी	पांचवा चरण, 20 मई
फूलपुर	छठा चरण, 25 मई
इलाहाबाद	छठा चरण, 25 मई
बाराबंकी	पांचवा चरण, 20 मई
फैजाबाद	पांचवा चरण, 20 मई
आंबेडकर नगर	छठा चरण, 25 मई
बहराइच	चौथा चरण, 13 मई
कैसरगंज	पांचवा चरण, 20 मई
श्रावस्ती	छठा चरण, 25 मई
गोंडा	पांचवा चरण, 20 मई
डुमरियागंज	छठा चरण, 25 मई
बस्ती	छठा चरण, 25 मई
संत कबीर नगर	छठा चरण, 25 मई
महाराजगंज	सातवां चरण, 01 जून
गोरखपुर	सातवां चरण, 01 जून
कुशीनगर	सातवां चरण, 01 जून
देवरिया	सातवां चरण, 01 जून
बांसगांव (एससी)	सातवां चरण, 01 जून
लालगंज (एससी)	छठा चरण, 25 मई
आजमगढ़	छठा चरण, 25 मई
घोसी	सातवां चरण, 01 जून
सलेमपुर	सातवां चरण, 01 जून
बलिया	सातवां चरण, 01 जून
जौनपुर	छठा चरण, 25 मई
मछलीशहर (एससी)	छठा चरण, 25 मई
गाजीपुर	सातवां चरण, 01 जून
चंदौली	सातवां चरण, 01 जून
वाराणसी	सातवां चरण, 01 जून
भदोही	छठा चरण, 25 मई
मिजार्पुर	सातवां चरण, 01 जून
रॉबर्ट्सगंज (एससी)	सातवां चरण, 01 जून

ओडिसा 147 विधानसभा सीट पर 4 चरणों में होंगे मतदान, 13 मई से 1 जून के बीच होगी वोटिंग

भुवनेश्वर। चुनाव आयोग (ईसी) ने आज घोषणा की कि ओडिशा विधानसभा चुनाव दो चरणों में होंगे और मतदान 13 मई (सोमवार) और 20 मई (सोमवार) को होंगे। राज्य विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ ही होंगे। वोटों की गिनती 3 जून को होगी। मौजूदा ओडिशा विधानसभा का कार्यकाल 2 जून को खत्म हो जाएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने नवनिर्वाचित चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू के साथ चुनाव की तारीखों की घोषणा की। ओडिशा की 147 सदस्यीय विधान सभा का नेतृत्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक करते हैं। बीजू जनता दल (बीजेडी) के पास वर्तमान में ओडिशा विधानसभा में 130 सीटें हैं, शेष भाजपा, कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) (सीपीएम) और एक स्वतंत्र सदस्य के पास हैं।

पहले लोकसभा फेज के साथ ओडिशा के 16वें विधानसभा चुनाव 147 सदस्यों के चुनाव के लिए 11 अप्रैल से 29 अप्रैल, 2019 के बीच आयोजित किए गए थे। बीजू जनता दल ने 112 सीटें जीतकर लगातार पांचवीं बार सरकार बनाई और नवीन पटनायक मुख्यमंत्री बने। इसके बाद 23 सीटों पर भाजपा और 9 सीटों पर कांग्रेस रही। शेष सीटों पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) और एक स्वतंत्र उम्मीदवार ने जीत हासिल की।

2019 में बीजू जनता दल (बीजेडी) ने जीत हासिल की, जिससे लगातार पांचवीं बार सरकार बनी। बीजू जनता दल

(बीजेडी) ने 147 में से 112 सीटें जीतीं, उसके बाद भाजपा ने 23 और कांग्रेस ने 9 सीटें जीतीं। शेष सीटें भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) और एक स्वतंत्र उम्मीदवार ने जीतीं। बीजद के निरंतर प्रभुत्व और नवीन पटनायक की निरंतर लोकप्रियता के साथ, पार्टी कम से कम 100 सीटों पर जोर दे रही है। इस बीच, बीजद और भाजपा के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत लगातार लटकी हुई है, सूत्रों के अनुसार दोनों पक्षों में कड़ी सौदेबाजी की बात कही जा रही है।

दिल्ली की 7 सीटों पर छठे चरण में मतदान, 25 मई को डाले जाएंगे वोट

नई दिल्ली। चुनाव आयोग की तरफ से शनिवार को 543 सीटों के लिए लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा की गई। सभी सीटों के नतीजे 4 जून को घोषित किए जाएंगे। देश में संसदीय चुनाव सात चरणों में होंगे और दिल्ली की सभी सात सीटों पर छठे चरण में मतदान होगा। दिल्ली में मतदान 25 मई को होगा। भाजपा ने 2014 और 2019 दोनों लोकसभा चुनावों में राष्ट्रीय राजधानी की सभी सात सीटों पर जीत हासिल की थी। 2019 में बीजेपी, कांग्रेस और आप के बीच त्रिकोणीय मुकाबला था, लेकिन इस बार आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने गठबंधन कर लिया है। आप जहां चार सीटों पर चुनाव लड़ेगी, वहीं कांग्रेस तीन सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

नई दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली और पूर्वी दिल्ली - से चुनाव लड़ेगी, जबकि कांग्रेस के उम्मीदवार चांदनी चौक, उत्तर पूर्वी दिल्ली और उत्तर पश्चिम निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ेंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने शनिवार को चुनाव की तारीखों की घोषणा करते हुए कहा कि पहला चरण 19 अप्रैल, दूसरा चरण 26 अप्रैल, तीसरा चरण

7 मई, चौथा चरण 13 मई, पांचवां चरण 20 मई, छठा चरण 25 मई और सातवां चरण का मतदान होगा. 1 जून को होगा।

लोकसभा चुनाव के लिए बीजेपी राजधानी दिल्ली की सात में से पांच सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए और आज दो अन्य सीटों पर नए उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया गया। पूर्व दिल्ली से हर्ष मल्होत्रा और उत्तर पश्चिम दिल्ली से योगेंद्र चंदोलिया को टिकट दिया गया है। उत्तर पश्चिमी सीट से पिछली बार बीजेपी ने हंस राज हंस को मैदान में उतारा था तो वहीं पूर्वी दिल्ली से क्रिकेटर गौतम गंभीर पर भरोसा जाताया था। गौतम गंभीर के चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा के बाद से इस सीट की चर्चा तेज थी। चांदनी चौक से व्यापारी नेता प्रवीण खंडेलवाल और पश्चिमी दिल्ली से पूर्व मेयर कमलजीत सेहरावत को उम्मीदवार बनाया गया है। इन दोनों सीटों पर फिलहाल हर्षवर्धन और परवेश सिंह साहिब बीजेपी के सांसद हैं।

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 • नई दिल्ली ।। रविवार 17 मार्च -2024 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

इधर चुनाव आयोग ने की अधिसूचना जारी

उधर भाजपा लोकसभा चुनाव कार्यालय पर हो गई इलैक्शन की तैयारी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। इसमें कोई दोराय नहीं है कि भाजपा चुनावी रेस में एक सधे हुए धावक की तरह भाग रही है। उसने इस चुनाव में राम के नाम पर भी माहौल बनाया है और वो अपने काम को लेकर भी आगे आई है। उसने विभिन्न आयामों के जरिए चुनावी स्लेबस को तैयार किया है। ये पहले से कहा जा रहा था कि भाजपा चुनावों के लिए रेडी टू मूव वाले अंदाज में है और इसका मुलाहिजा भी गाजियाबाद में दिखाई दिया। इधर चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी की और उधर भाजपा के लोकसभा चुनाव कार्यालय पर इलैक्शन की तैयारी शुरू हो गई। भाजपा महानगर कार्यालय अलग है और भाजपा का लोकसभा चुनाव कार्यालय अलग है। यह चुनाव कार्यालय राजनगर सैक्टर-1 में खोला गया है। 25 फरवरी को ही ये लोकसभा चुनाव कार्यालय खुल चुका है। भाजपा ने अपनी लोकसभा चुनाव संचालन समिति गठित की है और लोकसभा में आने वाली पांचों विधानसभाओं में भी उसने अपनी चुनाव संचालन समिति गठित कर ली है। ऐसे में भाजपा में अपने गढ़ कहने जाने वाले गाजियाबाद में चुनावी रणभेरी बजते ही अपनी चुनावी तैयारियों वाले धनुष पर टंकार दी। भाजपा ने अपने लोकसभा चुनाव कार्यालय पर बैठक बुला ली। भाजपा के गाजियाबाद लोकसभा चुनाव संयोजक अजय शर्मा ने भाजपा चुनाव कार्यालय गाजियाबाद पर बैठक की। अजय शर्मा ने कहा कि भाजपा विपक्षी पार्टियों के मुकाबले चुनावी की तैयारी में कोसों आगे है। पहले भी हमारी बैठक आयोजित हो चुकी है और लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद बैठक हो रही है और अजय शर्मा ने दावा किया कि गाजियाबाद लोकसभा में हम पूरे देश में सबसे ज्यादा वोटों से जीत दर्ज कर नया कीर्तिमान स्थापित करेंगे। भारतीय जनता पार्टी की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी है। सभी कार्यकर्ता अपनी पूरी शक्ति के साथ चुनाव में जुटने के लिए तैयार है।

26 अप्रैल को होना है चुनाव और 25 फरवरी को ही खुल गया था भाजपा का लोकसभा चुनाव कार्यालय

करंट क्राइम। जिस गाजियाबाद में सबसे बड़ी लोकसभा जीत का दावा किया जा रहा है, जिस गाजियाबाद की साहिबाबाद विधानसभा में देश की सबसे बड़ी विधानसभा की जीत हुई है, जिस गाजियाबाद लोकसभा में शहर विधायक तथा पूर्व राज्यमंत्री अतुल गर्ग ये दावा कर चुके हैं कि यहां कोई भी चुनाव लड़े भाजपा आठ लाख वोटों से चुनाव जीतेगी। उस गाजियाबाद में चुनाव का मतलब ही भाजपा का कमल का फूल माना जाता है। यहां पर एक आम कहावत है कि यहां कभी चेहरा चुनाव नहीं लड़ता है यहां तो भाजपा चुनाव लड़ती है। यहां कमल का फूल चुनाव लड़ता है और कमल का फूल चुनाव लड़वाता है। कमल का फूल मतदाता के घर वोटर की पर्ची देने जाता है और कमल का फूल मतदान वाले दिन चुनावी बस्ते पर बैठ जाता है। कमल का फूल ही नामांकन पत्र भरकर दाखिल करता है और कमल का फूल ही वोट मांगने जाता है। कमल का फूल ही चुनाव लड़ा है और कमल का फूल ही चुनाव लड़वाता है। इसकी सबसे बड़ी बानगी ये है कि गाजियाबाद में भाजपा ने अपना लोकसभा चुनाव का कार्यालय तब खोल दिया था जब चुनावी आचार संहिता का अता पता नहीं था और किसी को भी ये भी नहीं पता था कि यहां का टिकट होल्ड होगा। किसी को ये भी नहीं पता कि कौन उम्मीदवार होगा। लेकिन यहां पर भाजपा देहात से लेकर शहर तक बूथ से लेकर मंडल तक अपनी पूरी चुनावी तैयारियों के साथ है। लगातार उसके आयाम चल रहे हैं। लगातार बैठकों का दौर चल रहा है और 26 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के लिए मतदान होगा और भाजपा ने 25 फरवरी को ही अपना लोकसभा चुनाव कार्यालय खोल लिया है। उसकी लोकसभा चुनाव संचालन समिति गठित हो चुकी है। चुनाव कैसे लड़ा जायेगा और चुनाव की क्या रणनीति होगी ये समिति तय कर रही है। जबकि अभी उम्मीदवार के नाम की घोषणा बाकी है।

लोनी विधानसभा चुनाव में बनाये गये हैं प्रभारी से लेकर वाहन व्यवस्था प्रमुख

करंट क्राइम। लोनी विधानसभा चुनाव प्रबंधन समिति घोषित हो गई है। यहां पर 15 दायित्वों के लिए अलग-अलग चेहरों को चुना गया है। लोनी विधानसभा चुनाव प्रबंधन समिति के प्रभारी सत्यवीर राघव होंगे जबकि प्रशांत कुमार को सहप्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। विधानसभा संयोजक अनूप बैसला होंगे और विधानसभा सहसंयोजक नितिन जय मावी होंगे। विधानसभा विस्तारक विनय वरदान होंगे। यहीं बूथ प्रबंधन कार्य प्रमुख की जिम्मेदारी आकाश गौतम और सचिन जांगिड़ को दी गई है। विधानसभा लीगल टीम में प्रणव त्यागी तथा एडवोकेट सुधीर बघेल होंगे। मीडिया प्रबंधन प्रमुख का कार्य ब्रह्मेश तिवारी और रविन्द्र बंसल को दिया गया है। प्रचार सामग्री प्रमुख राजेश सोम तथा पूर्व मंडल अध्यक्ष राहुल बैंसला होंगे। प्रचार अभियान प्रमुख की कमान ललित शर्मा और जयवीर बंसल संभालेंगे। प्रचार सामग्री तथा साहित्य वितरण प्रमुख ललित बैंसला और संजय उपाध्याय होंगे। सोशल मीडिया व हाईटेक अभियान प्रमुख राजकुमार चौधरी और विपिन मावी रहेंगे। वीडियो वैन प्रमुख राजदीप तंवर और राहुल सिंघल बनाये गये हैं। यात्रा व प्रवास प्रमुख विजय भाटी, रोहित भारद्वाज को बनाया गया है। वाहन व्यवस्था प्रमुख हर्ष चौहान और निशांत त्यागी को बनाया गया है।

नए दायित्व के साथ खेलेंगे नितिन जय मावी अपनी सियासी ऊर्जा वाली पारी

करंट क्राइम। सियासी सिलेबस में चुनाव लड़ना और चुनाव लड़वाना दोनों ही महत्वपूर्ण विषय होते है। जब लोकसभा चुनाव में पार्टी जिस विधानसभा में बड़े अंतराल से जीतती है तो इसका क्रेडिट भी उस विधानसभा में चुनाव लड़वाने वाली पूरी कमेटी को मिलता है। अगर वोट कम रहते हैं तो यहां जिम्मेदारी भी उसी टीम की मानी जाती है। लोकसभा चुनाव में विधानसभा चुनाव प्रबंधन समिति में लोनी के युवा नेता नितिन जय मावी को विधानसभा चुनाव प्रबंधन समिति में विधानसभा सहसंयोजक बनाया गया है। नितिन जय मावी लोनी के युवा ऊजार्वान नेताओं में गिने जाते हैं। खुद को विवादों से दूर रखकर पार्टी गाइडलाइन पर चलने वाले नेता हैं और कार्यकर्ता भाव के साथ काम करते हैं। इस चेहरे को चुनाव लड़वाने वाली समिति की टीम में शामिल किया गया है और अब नितिन जय मावी अपनी इस नई जिम्मेदारी वाली पारी को खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पार्टी के जो भी आदेश होंगे पार्टी की जो भी गाइडलाइन होगी वो उसकी के अनुरूप कार्य करेंगे। उनका कहना है कि हमारा पूरा प्रयास अधिक से अधिक मतदान और भाजपा के लिए बड़ी से बड़ी जीत हासिल करने का यहां रहेगा।

चुनाव अधिसूचना जारी होने के दिन सुर्खियों में आया अरूण गोविल का नाम

भगवागढ़ में होता रहा इंतजार लेकिन सुबह से हो गई शाम

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। जिस गाजियाबाद लोकसभा में भाजपा सबसे बड़ी जीत का दावा कर रही है। जिस लोकसभा सीट पर वो लगातार जीत की हैट्रिक लगा चुकी है और जिस सीट पर टिकट की घोषणा होल्ड है। उस सीट पर रोज एक नया नाम आ जाता है। अभी भाजपा ने यहां अपने पत्ते ही नहीं खोले हैं लेकिन चर्चा में एक नया नाम बाजार में आ जाता है।

लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जिस दिन जारी हुई जिस दिन रामायण सीरियल में राम का किरदार निभाने वाले अभिनेता अरूण गोविल का नाम अचानक से गाजियाबाद लोकसभा के लिए चल पड़ा। दिन भर ये चर्चा होती रही कि भाजपा यहां से अरूण गोविल को चुनावी मैदान में ला रही है। सूत्र बताते हैं कि अरूण गोविल के नाम को मेरठ लोकसभा सीट पर भी चलाया गया था और अधिसूचना जारी होने के दिन ये नाम अचानक से गाजियाबाद में चलने लगा। कुछ लोगों ने कहा कि ये सिर्फ एक अफवाह यानी रूमर है और कुछ लोगों ने इसे सियासी हास्य परिहास में पोलिटिक्ल सेंस आफॅ हयूमर भी बताया। बहरहाल इन सबके बीच गाजियाबाद के भाजपाई टिकट घोषणा का इंतजार करते रहे। सुबह से शाम हो गई लेकिन यहां कोई नाम संगठन की ओर से नहीं आया। वहीं चर्चा में कुछ दिन पहले फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत का नाम था फिर ये चर्चा खुद ही समाप्त हो गई। हालांकि सूत्र बताते हैं कि लोकसभा सांसद जनरल वीके सिंह इस रेस में अभी मजबूत बने हुए हैं। पार्टी अगर कोई नया प्रयोग नहीं कर रही है तो यहां पर टिकट घोषणा जल्दी हो जायेगी। लेकिन अब भाजपा वाले भी चाहते हैं कि उनका इंतजार खत्म हो।

अभी तो चर्चा में रामायाण के भगवान राम का नाम आया है और यहां अंदरखाने एक नाम उनका भी चल रहा है जो गाकर बता चुके हैं कि जो राम को लायें है हम उनको लायें है यानि इस गीत के गायक कन्हैया मित्तल का नाम भी चला था। बहरहाल शनिवार का दिन अरूण गोविल के नाम रहा। अचानक ये नाम चला, दिनभर चर्चा होती रही।

आदर्श आचार संहिता लगते ही नगर निगम ने राजनीतिक होर्डिंग्स, बैनर, पोस्टर हटाये

नगर आयुक्त ने कहा-आचार संहिता का विधिवत पालन हो, अवैध विज्ञापन भी हटाये जाएं

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। आदर्श आचार संहिता लगते ही नगर निगम सीमा अंतर्गत अवैध होर्डिंग हटाने का अभियान जोरों से चलाया गया। नगर आयुक्त के निर्देश पर राजनीतिक, होर्डिंग्स, बैनर, पोस्टर भी हटाए गए तथा वॉल पेंटिंग से भी राजनीतिक प्रचार सामग्री को हटाया गया। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश पर पांचों जोन में जोनल प्रभारी की टीम लगी रही, निर्माण विभाग द्वारा भी वृहद स्तर पर कार्रवाई की गई तथा वॉल पेंटिंग पर बने हुए पॉलीटिकल प्रचार को हटाया गया। इस कार्य के लिए अपर नगर आयुक्त अरूण कुमार यादव को नोडल अधिकारी बनाया गया है। अपर नगर आयुक्त अरूण कुमार यादव ने बताया कि आदर्श आचार संहिता का पालन कराने के लिए अधिकारियों की टीम भी बनाई है जिसमें सभी जोन में कार्रवाई के लिए जोनल प्रभारी को जिम्मेदारी दी गई है, तथा सहायक अधिशासी अभियंता निर्माण तथा अवर अभियंता निर्माण को भी दीवारों से पेंटिंग हटाने की जिम्मेदारी दी गई है। नगर आयुक्त द्वारा चुनावी घोषणा के उपरांत शहर में आदर्श आचार संहिता के अनुपालन के क्रम में सभी संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश भी जारी किए हैं तथा गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत अभियान के रूप में कार्रवाई के आदेश भी दिए गए हैं।

विधायक नंद किशोर गुर्जर ने लोनी क्षेत्र को दी 5 करोड़ से अधिक के विकास कार्यो की सौगात

विधायक ने कहा 400 से अधिक सीटों के साथ प्रचंड बहुमत से लौट रही है मोदी सरकार

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर की कार्यशैली तथा विकास कार्यों के प्रति सजगता चर्चा में यूं ही नहीं रहती बल्कि धरातल पर वह अपने क्षेत्र की जनता की समस्याओं का समाधान करते हैं इसलिए हमेशा चर्चा में रहते हैं। अब शनिवार को उन्होंने लोनी विधानसभा में सड़कों एवं विद्युत व्यवस्था दुरुस्त किये जाने को 5 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया।

इस दौरान विधायक ने वार्ड 9 में सड़क निर्माण कार्य का उद्घाटन एवं 33 केवी लाइन बलराम नगर एवं नाईपुरा के पृथक्ककरण कार्य का 3 करोड़ 57 लाख से अधिक की लागत से शुभारंभ किया। इस दौरान एक्सईएन रूप नगर, इन्दिरापुरी तथा स्थानीय सभासद मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान विधायक नंद किशोर गुर्जर का स्थानीय निवासियों ने ढोल-नगाड़ों के साथ स्वागत कर आभार जताया।

400 से अधिक सीटों के साथ तीसरी बार बनेगी मोदी सरकार: नंद किशोर गुर्जर

(करंट क्राइम)। विकास कार्यों के उद्घटान के दौरान लोनी विधायक नंद किशोर गुर्जर नें स्थानीय लोगों के साथ जनसंवाद में कहा कि आज लोनी के सर्वांगीण विकास के लिए भाजपा संकल्पित है और लोनी में करोड़ों के विकास कार्य चल रहे हैं। 33 केवी लाइन बलराम नगर एवं नाईपुरा के पृथक्कीकरण नहीं होने से एक साथ लोनी अंधेरे में डूब जाता था लेकिन अब 33 केवी लाइन के पृथक्कीकरण होने से सभी बिजली घर स्वतंत्र रूप से कार्य करेंगे और ऐसी स्थिति नहीं होगी जिससे एक साथ कई कॉलोनियों की विद्युत आपूर्ति प्रभावित हो। लोनी में बिजली, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल आदि क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव आए हैं और हम लगातार प्रयासरत हैं कि लोनी को एक आदर्श विधानसभा बनाएं जिसके लिए हम कृतसंकल्पित हैं। विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री के सबका साथ सबका विकास के मूलमंत्र से हर वर्ग का सर्वांगीण विकास आज लोनी समेत पूरे देश में सुनिश्चित हुआ है। आज पूरा देश मोदीजी के साथ मजबूती से खड़ा है और तीसरी बार 400 से अधिक सीटों को जीतकर प्रचंड बहुमत से केंद्र में हम सरकार बनाने जा रहे हैं।

संपादकीय

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की स्थिति फोड़े पर फुंसी जैसी

उत्तर प्रदेश की राजनीति में जिस कांग्रेस का हमेशा अपर हैंड रहता था, वह अब दूसरों के रहम-ओ-करम पर राजनीति करने को मजबूर हो गई है। प्रदेश में ना उसका वोट बैंक बचा है, ना नेता और संगठन। हाँ, यदि हवा-हवाई बातों से पार्टी को फायदा हो पाता तो जरूर यूपी में कांग्रेस टॉप पर होती, लेकिन ऐसा होता नहीं है। आज का मतदाता अपने नेताओं पर बारीकी से नजर रखता है। इस कसौटी में कांग्रेस की टॉप लीडरशिप और गांधी परिवार पूरी तरह से नाकामयाब रहा है। कांग्रेस के विधान सभा और लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के आंकड़े भी चुनाव-दर-चुनाव उसके जनाधार खिसकने के साक्षी हैं। यह गिरावट 1984 के बाद चार दशक में आई है। 1984 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस सभी 85 सीटों (तब उत्तराखंड की भी पांच सीटें शामिल) पर चुनाव लड़ी थी और 83 सीटों पर जीत हासिल की थी। भले ही तब पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद कांग्रेस के साथ जनभावनाओं का ज्वार था, जिसके सहारे पार्टी ने उत्तर प्रदेश में अपने प्रदर्शन के शिखर को छुआ। यह वह दौर था जब राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस का एकछत्र राज था और बीजेपी की एंट्री भर हुई थी, लेकिन उसकी राजनैतिक विचारधारा कांग्रेस से उलट थी। बीजेपी तुष्टिकरण की जगह हिन्दुत्व की बात करती थी। अयोध्या, काशी और मथुरा उसके एजेंडे में प्रमुख रूप से शामिल थे, जिससे कांग्रेस हमेशा किनारा करती रही थी। वहीं क्षेत्रीय दलों के रूप में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी जातिवादी राजनीति को आगे बढ़ा रहे थे। प्रदेश की राजनीति में बदले समीकरणों ने जहां दूसरे दलों के लिए नई संभावनाएं जगाईं, वहीं कांग्रेस को अपनों से मायूसी ही मिलती गई। वर्ष 2000 में उत्तर प्रदेश से उत्तराखंड के अलग होने के बाद की बात की जाए तो कांग्रेस वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में 80 सीटों पर लड़ी थी और 21 सीटों पर जीत हासिल की थी। पिछले ढाई दशक में यह कांग्रेस का सर्वाधिक उत्साहित करने वाला प्रदर्शन था। इसके पीछे कांग्रेस की मनरेगा व खाद्य सुरक्षा को लेकर नीतियों की बड़ी भूमिका मानी गई थी। कांग्रेस केंद्र में दोबारा सरकार बनाने में सफल हुई थी। इसके बावजूद कांग्रेस उत्तर प्रदेश में अपनी साख को बचाए रखने में कामयाब नहीं रही। उत्तर प्रदेश में अपना जनाधार बढ़ाने के लिय पार्टी ने कई प्रयोग भी किए। 2014 लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में भाजपा की सरकार बनने के बाद कांग्रेस उत्तर प्रदेश में 2009 का अपना प्रदर्शन दोहराने को तरसती ही रही। नये प्रयासों के तहत पार्टी सपा से गठबंधन के तहत उसके हिस्से आई 17 सीटों पर पूरी ताकत झोंकने की तैयारी में है। प्रदेश मुख्यालय में वार रूम की स्थापना की गयी है और अमेठी व रायबरेली समेत 17 लोकसभा सीटों के 34 हजार बूथों पर एजेंट जुटाए जा रहे हैं। वार रूम के सदस्य संजय दीक्षित के अनुसार, 17 लोकसभा क्षेत्रों में अब तक 18 हजार बूथ लेवल एजेंट नियुक्त किए जा चुके हैं। इस प्रकार सभी 80 लोकसभा सीटों पर बूथ स्तर पर संगठन को खड़ा किया जा रहा है। कुल मिलाकर यूपी से अपने नेताओं को संसद भेजने के लिये कांग्रेस को शून्य से सफर शुरू करना होगा और इसके लिये उसके सिर्फ 17 प्रत्याशी मैदान में होंगे। क्योंकि समाजवादी पार्टी ने गठबंधन धर्म निभाते हुए यूपी में कांग्रेस को 80 में से 17 सीटें देने के लायक ही समझा है। इसमें 17 सीटो पर कांगेस कितनी सफल होगी, ये समय बतायेगा।

खुदरा कर्ज के साथ टॉप-अप होम लोन पर जांच बढ़ी

पर्सनल लोन देने वाले संस्थानों को लगाम लगाने को कहा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) बैंकों और एनबीएफसी की ओर से इस तरह के कर्ज पर निगरानी बढ़ा दी है। पर्सनल लोन देने वाले संस्थानों को ऐसे कर्जों पर लगाम लगाने को कहा गया है जहां जोखिम ज्यादा बढ़ रहा है।

आरबीआई ने जोखिम को देखते हुए खुदरा कर्जों की जांच और बढ़ा दी है। साथ ही, टॉप-अप होम लोन को भी जांच के दायरे में ले लिया है। मामले से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, खुदरा कर्ज में आई बेतहाशा तेजी से वित्तीय प्रणाली में जोखिम बढ़ सकता है। इसे रोकने के लिए जांच को और फैला दिया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) बैंकों और एनबीएफसी की ओर से इस तरह के कर्ज पर निगरानी बढ़ा दी है।

पर्सनल लोन देने वाले संस्थानों को ऐसे कर्जों पर लगाम लगाने को कहा गया है जहां जोखिम ज्यादा बढ़ रहा है। आरबीआई ने बैंकों और गैर-बैंक वित्तीय फर्मों की ओर से कुछ खुदरा ऋणों पर लगाम लगाने के लिए छह महीनों में कई कदम उठाए हैं। इसमें उनको चेतावनी भी दी है।

सूत्रों के अनुसार, आरबीआई का रुख अब बदल गया है। उसने सितंबर में कहा था कि ज्यादा उधारी से वित्तीय प्रणाणी का कोई जोखिम नहीं है। लेकिन अब नई जांच वित्तीय फर्मों के लिए एक बड़ा झटका है। एक सूत्र ने कहा, आरबीआई पर्यवेक्षण पर अब चार चरणों की जांच कर रहा है। इसमें निगरानी करना, चेतावनी देना, दंडित करना और फिर कार्रवाई करना। आरबीआई विशेष चेतावनियों के आधार पर संस्थाओं को सही दिशा में कदम उठाने का मौका देना चाहता है। लेकिन जरूरत पड़ने पर कार्रवाई भी कर सकता है। ब्याज दरों में बढ़ोतरी के बावजूद कर्ज में तेजी पिछले दो वर्षों में आरबीआई के रेपो दर में 2.5 प्रतिशत बढ़ोतरी के बावजूद बैंकों का कर्ज सालाना आधार पर 16% बढ़ रहा है। जबकि चालू वित्त वर्ष में जीडीपी की अनुमानित 7.6% की वृद्धि से दोगुना से भी अधिक है। जनवरी के अंत में असुरक्षित पर्सनल लोन एक साल पहले की तुलना में 21% बढ़ गए थे।

बैंक गलत तरीके से कर रहे विज्ञापन

आरबीआई अब मॉर्गेज टॉप-अप पर बारीकी से नजर रख रहा है। मॉर्गेज लोन मूलरूप से घर में मरम्मत या अतिरिक्त सुविधाओं के लिए होते हैं। लेकिन बैंक उन्हें शादियों, छुट्टियों और व्यापार में निवेश के लिए इसका विज्ञापन कर रहे हैं। आरबीआई बैंकों और एनबीएफसी को एल्गोरिथम आधारित क्रेडिट मॉडल के जोखिमों के बारे में आगाह कर रहा है। कुछ संस्थानों को सह-उधार (को-लेंडिंग) कम करने के लिए कहा है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने दिसंबर में पर्सनल लोन पर कहा था, हम घर में आग लगने और फिर कार्रवाई करने का इंतजार नहीं करते हैं।

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, MoÜ 09899655497
Email: currentcrimenews@gmailÜcom
Website: wwwÜcurrentcrimeÜcom

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए ।जी ।एस। पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव,
विवेक भाटी

मुक्त व्यापार समझौते पर भारत-ब्रिटेन की बातचीत थमी, लोकसभा चुनाव के बाद होगा फैसला

नई दिल्ली। भारत में लोकसभा चुनाव की तारीखों का शनिवार को एलान हो जाएगा, जिसके साथ ही देश में आदर्श आचार संहिता लागू हो जाएगी। ऐसे में दोनों देशों ने मुक्त व्यापार समझौते पर 14 दौर की वार्ता के बाद रुकने का फैसला किया है और अब लोकसभा चुनाव के बाद ही इस दिशा में कोई फैसला हो सकेगा।

भारत और ब्रिटेन के बीच चल रही मुक्त व्यापार समझौते की बातचीत थम गई है। दरअसल भारत में लोकसभा चुनाव की तारीखों का शनिवार को एलान हो जाएगा, जिसके साथ ही देश में आदर्श आचार संहिता लागू हो जाएगी। ऐसे में दोनों देशों ने मुक्त व्यापार समझौते पर 14 दौर की वार्ता के बाद रुकने का फैसला किया है और अब लोकसभा चुनाव के बाद ही इस दिशा में कोई फैसला हो सकेगा। ब्रिटिश अधिकारियों ने बताया कि बातचीत थमने का पहले से ही अनुमान था क्योंकि भारत में आम चुनाव होने हैं और अब चुनाव के बाद ही मुक्त व्यापार समझौते पर आगे कोई औपचारिक बातचीत हो सकती है। भारत और ब्रिटेन के बीच जनवरी 2022 में मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू हुई थी।

मुक्त व्यापार समझौते के लिए भारत ब्रिटेन ने जताई प्रतिबद्धता

एक अधिकारी ने बताया कि दोनों पक्षों में से कोई भी समझौते से पीछे हटने के मूड में नहीं हैं, लेकिन अभी तक समझौता न होने की वजह ये है कि हमें अभी तक वो डील नहीं मिली है, जिस पर दोनों पक्षों में सहमति बन सके। दोनों पक्षों के मध्यस्थों ने बीते कुछ वर्षों में समझौते को लेकर कड़ी मेहनत की है और कई मुद्दों पर हमारे बीच सहमति बन भी गई है। हालांकि अभी माल, सेवाएं और निवेश पर सहमति बननी बाकी है। इस हफ्ते की शुरूआत में पीएम मोदी और ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक के बीच फोन पर बातचीत भी हुई थी, जिसमें दोनों पक्षों ने समझौते को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दिखाई थी।

इन मुद्दों पर अटका है समझौता

एक ब्रिटिश अधिकारी ने बताया कि भारत और ब्रिटेन में महत्वकांक्षी व्यापार समझौते को लेकर लगातार काम कर रहे हैं, लेकिन अभी तक कई मुद्दों पर आपसी सहमति नहीं बन पाई है। हम इसे लेकर साफ हैं कि जब तक समझौता निष्पक्ष, संतुलित और ब्रिटेन के लोगों और हमारी अर्थव्यवस्था के हित में होना चाहिए। भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भी बीते हफ्ते ऐसा ही कहा था कि जब तक समझौता भारतीय लोगों और भारतीय अर्थव्यवस्था के हित में नहीं होगा, हम इस पर आगे नहीं बढ़ेंगे। ब्रिटेन चाहता है कि भारत, ब्रिटेन से होने वाले निर्यात पर टैरिफ घटाए, जो कि अभी 150 प्रतिशत जितना ज्यादा है। वहीं भारत चाहता है कि ब्रिटेन में काम करने वाले भारतीयों के मामले में नियम निष्पक्ष रहें और उन्हें नेशनल इंश्योरेंस के तहत कवर किया जाए।

वहीं ब्रिटेन की मीडिया की कुछ रिपोट्र्स में दावा किया गया है कि भारत सरकार भी ब्रिटेन में आगामी आम चुनाव का इंतजार कर रहा है, क्योंकि ब्रिटिश चुनाव में अगर लेबर पार्टी को जीत मिलती है तो भारत को लेबर पार्टी से अच्छी डील मिलने की उम्मीद है। बीते दिनों लेबर पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने भी भारत का दौरा किया था और उन्होंने दिल्ली में वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात भी की थी।

दावा- 'अमेरिका अदाणी समूह के खिलाफ घूस देने की आशंका की जांच कर रहा', कंपनी ने कहा- हमें जानकारी नहीं

नई दिल्ली। रिपोर्ट में मामले के बारे प्रत्यक्ष जानकारी रखने वाले लोगों के हवाले से दावा किया गया है कि अभियोजक इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या गौतम अदाणी और उनके समूह की किसी इकाई या कंपनी से जुड़े लोगों ने एक ऊर्जा परियोजना के लिए भारत में अधिकारियों को भुगतान किया है। अमेरिका ने भारत के अदाणी समूह की अपनी जांच का दायरा बढ़ाया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि कंपनी के संस्थापक गौतम अदाणी और कंपनी रिश्वतखोरी में शामिल हैं या नहीं। ब्लूमबर्ग न्यूज ने अपनी एक रिपोर्ट में यह दावा किया है। रिपोर्ट में मामले के बारे प्रत्यक्ष जानकारी रखने वाले लोगों के हवाले से दावा किया गया है कि अभियोजक इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या गौतम अदाणी सहित अदाणी समूह की किसी इकाई या कंपनी से जुड़े लोगों ने एक ऊर्जा परियोजना के लिए भारत में अधिकारियों को भुगतान किया है? रिपोर्ट के अनुसार न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी के कार्यालय और वाशिंगटन में न्याय विभाग की धोखाधड़ी इकाई यह जांच कर रही है। इसके साथ ही

भारतीय अक्षय ऊर्जा कंपनी एज्यूर पावर ग्लोबल पर भी नजर रखी जा रही है। अदाणी समूह ने इस मामले मे ब्लूमबर्ग न्यूज को बताया, हमें अपने चेयरमैन के खिलाफ किसी जांच की जानकारी नहीं है। अदाणी समूह के शेयरों और बांडों में पिछले साल की शुरूआत में बड़े पैमाने पर बिकवाली देखी गई थी।

उस समय अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने एक रिपोर्ट जारी की थी जिसमें समूह पर खातों में गड़बड़ी, स्टॉक्स में हेरफेर और टैक्स हेवन के उपयोग का आरोप लगाया गया था। हालांकि, भारतीय कंपनी ने इन आरोपों से इनकार करती रही है।

बीएमसी खिचड़ी घोटाले में ईडी की कार्रवाई, आरोपी सूरज चव्हाण की 88.51 लाख की संपत्ति जब्त

नई दिल्ली। मुंबई में एक आवासीय फ्लैट और आरोपी सूरज चव्हाण के स्वामित्व वाले रत्नागिरी जिले में स्थित कृषि भूमि समेत कुल 88.51 लाख रुपये की अचल संपत्ति अस्थायी रूप से जब्त की है। जांच एजेंसी ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। बीएमसी खिचड़ी कोविड घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने मुंबई में एक आवासीय फ्लैट और आरोपी सूरज चव्हाण के स्वामित्व वाले रत्नागिरी जिले में स्थित कृषि भूमि समेत कुल 88.51 लाख रुपये की अचल संपत्ति अस्थायी रूप से जब्त की है। जांच एजेंसी ने शनिवार को इसकी जानकारी दी।

राशिफल

मेष: दिन फायदेमंद साबित हो सकता है। व्यापार के क्षेत्र में बड़ी सफलताएं मिलने के योग बन रहे हैं। ज्यादा उत्साह के कारण कोई गलतफहमी हो सकती है।

वृष: दिन भाग्य की बेहतरी वाला साबित होगा। निजी प्रयासों से आपको सफलता मिलेगी। भाग्य चमकेगा और घूमने जाने का मौका मिलेगा। मन खुश रहेगा।

मिथुन: पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। थोड़ी-सी मेहनत करके आप अपने उद्देश्यों को आसानी से प्राप्त कर लेंगे। आपके आर्थिक स्थिति में काफी सुधार होगा।

कर्क: व्यापारिक दृष्टिकोण से आपको भारी धन लाभ हो सकता है। पारिवारिक जीवन सुखमय और आनंददायक रहेगा। प्रेमियों के मध्य कुछ मनमुटाव हो सकता है।

सिंह: आपके लिए आज का दिन थोड़ा कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य पीड़ित रहेगा और कामों में विलंब होगा। आपकी मेहनत को रंग लाने में समय लगेगा।

कन्या: दिन खुशियों से भरा रहेगा। ऑफिस में सभी लोगों के साथ बेहतर तालमेल बना रहेगा। नए स्रोतों से धन लाभ आपकी आर्थिक स्थिति को संतुलित कर देगा।

तुला: आपके लिए दिन फायदेमंद साबित हो सकता है। वाहन सावधानी से चलाएं। आपको उधार को कम करना चाहिए और सट्टा निवेश से भी बचना चाहिए।

वृश्चिक: दिन अच्छा रहेगा। किसी यात्रा पर जाने में बेहतर रहेगा कोई छोटी दूरी की यात्रा हो सकती है जो आपको मानसिक तौर पर खुशी भी देगी।

धनु: परिवारवालों के साथ खुशी के पल बितायेंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत बना रहेगा। इस राशि के कॉमर्स स्टूडेंट्स को अपने शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

मकर: रिश्तेदारों से एक बड़ा उपहार प्राप्त कर सकते हैं। चोट या कोई छोटी-मोटी दुर्घटना होने के भी योग बन रहे हैं। व्यक्तिगत संबंधों को बहुत शांत रखें।

कुंभ: दिन अच्छा रहेगा हालांकि कई मोर्चों पर ध्यान देने की आवश्यकता होगी जिनमें से एक स्वास्थ्य है और दूसरा आपका धन स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है।

मीन: आज आप अपना लक्ष्य निर्धारित करने के लिए कोई नई योजना बनाएंगे। घरेलू समस्याओं को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने में आप सफल होंगे।

चुटकुले

पिता बेटे पर गुस्सा करते हुए- एक काम ढंग से नहीं होता तुझसे, तुम्हें पुदीना लाने के लिए कहा था और तुम ये धनिया ले आए, तुझ जैसे बेवकूफ को तो घर से निकाल देना चाहिए।
बेटा- पापा चलो इकट्ठे ही चलते है।
पिता- क्यों?
बेटा- मम्मी कह रही थी कि ये मेथी है।

शौंटी- समोसे को खोलकर अंदर का मसाला ही खा रहा था।
संजू- अरे! तू पूरा समोसा क्यों नहीं खा रहा?
शौंटी- अरे मैं बीमार हूं न... इसलिए डॉक्टर ने बाहर की चीज खाने से मना किया है।

डॉक्टर: अब आप खतरे से बाहर है, फिर भी आप इतना डर क्यों रहे हैं।
मरीज: जिस ट्रक से मेरा एक्सीडेंट हुआ था उस पर लिखा था-जिंदगी रही तो फिर मिलेंगे।

रोचक तथ्यों का करंट

- धरती से किसी उल्कापिंड के टकराने का खतरा 9300 में से एक बार होता है।
- Albert Einestein के अनुसार हम रात को आकाश में लाखों तारे देखते है, लेकिन वह उस जगह नही होते बल्कि कही और होते है। हमें तों उनके द्वारा छोडा गया कई लाख प्रकाश साल पहले का प्रकाश होता है। न्यूक्लीयर रिएक्टरों को ठंडा किया जाए तो सुक्ष्म जिव भी संघर्ष कर सकते है।
- पुरुष में 1000 स्पर्म एक सेकंड में बनते है।
- एक तूफान में 8000 मेगाटन बम के निर्माण जितनी उर्जा होती है।
- किसी एक आकाश गंगा के सारे तारे नमक के दाने जितने हो जाए तो वह Olympic का पूरा Swimming pool भर सकते हैं।
- दुनिया का सबसे छोटा कीड़ा तंजानियन पैरासिटिक वास्प है जो एक मक्खी की आँख से भी छोटा है।
- अंटार्कटिका का सबसे बड़ा ग्लेशियर अल्म्बेर्ट ग्लेशियर है जो 250 मील लंबा और 40 मील चौड़ा है।
- तापमान चाहे कितना भी कम क्यों न हो जाए, गैसोलीन कभी भी नहीं जमता।

वैशाली वार्ड 89 आदर्श वार्ड की श्रेणी का है: राजकुमार सिंह

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। वैशाली वार्ड 89 के अंतर्गत सेक्टर 5 में कई विकास कार्यों का स्थानीय लोगों के साथ नारियल तोड़कर उद्घाटन किया। पार्षद राजकुमार भाटी ने सभी लोगों को फूलमाला पहनकर स्वागत किया। मुख्य तौर पर जीडीए मार्केट के सामने के एरिया में इंटरलॉकिंग टाइल्स, व मिलन सोसायटी में नाले के साथ की गिरी दीवार का निर्माण, ब्रह्मपुत्र सोसाइटी में आरसीसी ड्रेन और साइड पटरी पर इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाने के कार्य का शुभारंभ कराया । इस कार्य की लगभग 22 लख रुपए की लागत से यह विकास कार्य निर्माण विभाग से कराए जाएंगे। पार्षद राजकुमार सिंह ने कहा कि मेरा वार्ड आदर्श वार्ड की श्रेणी का वार्ड है। गड्ढा मुक्त सड़के, प्रकाश की शानदार व्यवस्था, साफ सुथरी अच्छी सड़के अपने क्षेत्र की जनता से जो वादे किए हैं। वह सभी कार्य गारंटी के साथ पूरा करने का कार्य कर रहा हूं । इस अवसर पर जगत सिंह रावत, सुनील कुमार सिंह, शैलेश कुमार सिंह, हरीश चंदेल, यशोदा रावत, प्रशांत बिष्ट, प्रताप सिंह, सुमित वासनेय, धर्मेंद्र वर्मा, शैलेश वर्मा, कालीचरण सिंह संदीप जादौन आदि लोग उपस्थित रहे।

पार्षद प्रतिमा शर्मा ने जेकेजी हाइट सोसायटी में किया पौधरोपण

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। शनिवार को भाजपा पार्षद प्रतिमा शर्मा ने आरडब्ल्यूए के लोगों के साथ मिलकर पौधरोपण किया। इस बीच स्थानीय आरडब्ल्यूए और समाजसेवियों ने लोगों को हरियाली बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। पार्षद प्रतिमा शर्मा ने नगर निगम की तरफ से भी पौधरोपण के लिए मदद दिलाने का भरोसा दिया। पार्षद प्रतिनिधि राजीव शर्मा ने बताया कि वसुंधरा सेक्टर 18 स्थित जेकेजी हाइट सोसायटी में लगभग 50 पौधे लगाकर वहां हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया गया। इसमें स्थानीय लोगों का भी सहयोग मिला। इससे पहले बच्चों ने पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। सोसायटी की अध्यक्ष प्रीति ने सोसायटी के सदस्यों के साथ पार्षद प्रतिमा शर्मा का स्वागत किया । पार्षद प्रतिमा शर्मा ने लोगों को विश्वास दिलाया कि निगम द्वारा जो भी कार्य होगा उसे पूरा किया जायेगा।

पार्षद नरेश भाटी ने किया सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। वार्ड 74 के पार्षद नरेश भाटी ने सड़क का निर्माण कार्य शनिवार को नगर निगम द्वारा कराया गया। सड़क निर्माण कार्य पूर्ण होने पर स्थानीय लोगों ने पार्षद नरेश भाटी को धन्यवाद दिया। क्षेत्र में विकास कार्य और क्षेत्रवासियों की समस्या के समाधान को लेकर हमेसा सजग रहने वाले पार्षद नरेश भाटी ने कहा कि वार्ड में कई ऐसे कार्य हैं जिन्हें पूरा कराने के लिए कामों की सूची तैयार कर ली गई है। जल्द से जल्द क्षेत्र में अधिक विकास कार्य हो इसको लेकर नगर निगम अधिकारियों से संपर्क कर्जे काम शुरू करवाया जा रहा । इस मौके पर पार्षद द्वारा बुजुर्गों से नारियल तुड़वाया गया और माला पहनकर बुजुर्गों का स्वागत किया गया।

इस अवसर पर मोनिका प्रशांत सोम हिम्मत दीक्षा सौरभ आदि लोग मौजूद रहे इस मौके पर पार्षद नरेश भाटी ने बताया कि अग्रसेन चौक से लेकर सेक्टर 17 सी ब्लॉक तक नाले के बराबर में दीवार की जा रही है, जिसकी लागत 24 लाख की है।

आईपीएल 2024 से जुड़ा बड़ा अपडेट, भारत से बाहर हो सकता है इस सीजन का दूसरा चरण

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) लोकसभा चुनाव को देखते हुए आईपीएल 2024 के दूसरे चरण का आयोजन भारत से बाहर करने पर विचार कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई के अधिकारी यूएई में हैं और आईपीएल का दूसरा चरण गल्फ देश में कराने की संभावना तलाश रहे हैं। यह फैसला इसलिए लिया जा रहा है क्योंकि लोकसभा चुनाव की तारीख आईपीएल के दूसरे चरण से टकरा सकती हैं। लोकसभा चुनाव की घोषणा आज दोपहर में होनी है। चुनाव घोषित होने के बाद ही बीसीसीआई आईपीएल का अगला चरण देश के बाहर कराने पर कोई अंतिम निर्णय ले सकता है। खिलाड़ियों को पासपोर्ट जमा कराने कहा गया मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई के अधिकारी ने इस मामले की जानकारी देते हुए बताया कि फिलहाल बोर्ड के कुछ शीर्ष अधिकारी दुबई में हैं और आईपीएल का दूसरा चरण दुबई में कराने की संभावनाओं को देख रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ फ्रेंचाइजी ने खिलाड़ियों से उनके पासपोर्ट जमा करने के लिए भी कह दिया है। इससे पहले 2014 में भी आईपीएल का पहला चरण लोकसभा चुनाव को देखते हुए यूएई में आयोजित कराया जा चुका है। हालांकि, 2019 में लोकसभा चुनाव होने के बावजूद आईपीएल का पूरा सीजन भारत में ही हुआ था। सिर्फ 2009 में ही आईपीएल पूरी तरह से विदेश में (दक्षिण अफ्रीका) खेला गया था। यह देखते हुए कि टी20 विश्व कप आईपीएल के खत्म होने के कुछ दिनों के बाद ही शुरू हो जाएगा, फाइनल 26 मई को होने की संभावना है। भारत विश्व कप में अपना पहला मैच पांच जून को आयरलैंड के खिलाफ खेलेगा, जबकि आईसीसी टूनार्मेंट की शुरूआत एक जून को अमेरिका और कनाडा के बीच मैच से होगी। बीसीसीआई ने पूरा कार्यक्रम घोषित नहीं किया था

लोकसभा चुनाव की घोषणा नहीं होने के कारण बीसीसीआई ने आईपीएल 2024 का पूरा कार्यक्रम घोषित नहीं किया था। बोर्ड ने इस लोकप्रिय टूनार्मेंट के 17वें सीजन के पहले चरण का कार्यक्रम घोषित किया था जिसमें 21 मैच शामिल थे। आईपीएल के पहले चरण का 22 मार्च को चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) और रायल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के बीच होने वाले मैच से शुरू होगा, जबकि पहले फेज का अंतिम मुकाबला सात अप्रैल को लखनऊ सुपरजाएंट्स और गुजरात टाइटंस के बीच खेला जाएगा।

सीएसके के पूर्व खिलाड़ी का बड़ा दावा, सीजन के बीच में कप्तानी छोड़ सकते हैं धोनी

नई दिल्ली। भारतीय टीम को अपनी कप्तानी में वनडे और टी20 विश्व का खिताब दिला चुके महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल में लंबे समय से चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की कमान संभाले हुए हैं। धोनी की कप्तानी में ही चेन्नई ने पांच बार आईपीएल का खिताब अपने नाम किया है और वह 17वें सीजन में अपना खिताब बचाने के इरादे से उतरेगी। 22 मार्च से शुरू होने वाले इस टूनार्मेंट का पहला मैच सीएसके और रायल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के बीच खेला जाएगा। धोनी ने आईपीएल के इस सीजन के लिए तैयारियां शुरू कर दी है। आईपीएल का काउंटडाउन शुरू हो चुका है, लेकिन उससे पहले ही सीएसके का लंबे समय तक प्रतिनिधित्व करने वाले मध्यक्रम के बल्लेबाज अंबाटी रायुडू ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि धोनी आईपीएल 2024 के बीच सत्र में टीम की कप्तानी छोड़ सकते हैं। रायुडू ने दावा करते हुए कहा कि धोनी कुछ मैचों के बाद ही सीएसके की कप्तानी छोड़ सकते हैं और किसी अन्य खिलाड़ी को टीम की कमान सौंप सकते हैं। इस बात की संभावना भी जताई जा रही है कि धोनी आईपीएल के 17वें सत्र के बाद इस प्रारूप को भी अलविदा कह देंगे। धोनी ने 15 अगस्त 2020 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था, लेकिन आईपीएल में खेलते रहे थे। एक स्पोर्ट्स चैनल से बात करते हुए रायुडू ने कहा कि इंपैक्ट प्लेयर नियम भी लागू है, ऐसे में धोनी खुद को पीछे करके सीजन के बीच में किसी अन्य खिलाड़ी को कप्तान के रूप में प्रमोट कर सकते हैं। धोनी चाहें तो कुछ और सीजन भी खेल सकते हैं रायुडू के अनुसार, धोनी अगर आईपीएल से संन्यास लेने का फैसला करते हैं तो यह सीजन पांच बार की चैंपियन चेन्नई टीम के लिए परिवर्तन लाने वाला दौर होगा। हालांकि उन्होंने साथ ही कहा कि धोनी आगे खेलना चाहें तो वह कुछ और सीजन भी खेल सकते हैं और आगे भी टीम की कमान अपने हाथ में रख सकते हैं। रायुडू ने कहा, इंपैक्ट प्लेयर नियम लागू है जो सीजन के बीच में किसी अन्य खिलाड़ी को टीम की कप्तानी करने की इजाजत देता है। यह सीजन सीएसके के लिए परिवर्तन लाने वाला हो सकता है। अगर धोनी कुछ और सीजन खेलने का फैसला करते हैं तो वह टीम की कप्तानी कर सकते हैं। मैं उन्हें कप्तान के तौर पर ही देखना चाहता हूं। रायुडू ने कहा कि अगर धोनी फिट नहीं रहते हैं तो भी सभी मैच खेल सकते हैं। उन्होंने कहा, अगर धोनी 10 प्रतिशत ही फिट हैं तो भी वह सभी मैच खेल सकते हैं। उन्होंने पिछला सीजन घुटने में चोट के बावजूद खेला था और अपना बेस्ट दिया था। मुझे नहीं लगता कि कोई भी उन्हें पूरा सीजन खेलने से रोक सकता है।

'हमेशा ऐसा ही करता है', 'इफ्तिखार चाचा' से भिड़ा यह इंग्लिश खिलाड़ी तो भड़के वसीम अकरम, लगाई फटकार

कराची। पाकिस्तान सुपर 2024 अंजाम तक पहुंचने वाला है। प्लेऑफ के मुकाबले जारी हैं, जिसमें मोहम्मद रिजवान की कप्तानी वाली टीम मुल्तान सुल्तान्स फाइनल में पहुंच चुकी है। वहीं, राइली रूसो की कप्तानी वाली क्वेटा ग्लैडिएटर्स को शुक्रवार को एलिमिनेटर-1 में हार का सामना करना पड़ा। इस्लामाबाद यूनाइटेड ने क्वेटा को हराकर टूनार्मेंट से बाहर कर दिया। क्वेटा की टीम ने पूरे टूनार्मेंट में शानदार प्रदर्शन, लेकिन उनके साथ अब एक विवाद भी जुड़ गया है। दरअसल, 12 मार्च को पीएसएल के लीग स्टेज के दौरान 30वें मैच में मुल्तान का सामना क्वेटा से हुआ था। उस मैच में काफी लड़ाई देखने को मिली थी। क्वेटा से खेलने वाले जेसन रॉय कि भिड़ंत मुल्तान के इफ्तिखार अहमद से हो गई थी। हालांकि, बाकी खिलाड़ियों ने बीच बचाव करते हुए मामले को संभाल लिया। अब इस पर पूर्व क्रिकेटर वसीम अकरम की प्रतिक्रिया सामने आई है। दरअसल, उस मैच में मुल्तान सुल्तान्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में चार विकेट पर 185 रन बनाए थे। जवाब में जब क्वेटा की टीम बल्लेबाजी के लिए आई तो ओपनिंग के लिए जेसन रॉय और सऊद शकील उतरे। क्वेटा की पारी के दौरान तीसरे ओवर में डेविड विली की गेंद पर रॉय एल्बीडब्ल्यू आउट हो गए। इसके बाद जैसे ही वह शकील से बात करने और रिव्यू के बारे में सोचने के लिए आगे बढ़ने लगे, उनकी भिड़ंत इफ्तिखार से हो गई। दोनों के बीच काफी तूतू-मैंमैं देखने को मिला। इसके बाद रिजवान समेत बाकी खिलाड़ियों ने बीच बचाव करते हुए दोनों को अलग किया। इस लड़ाई के चक्कर में जेसन रिव्यू भी नहीं ले सके और उन्हें गुस्से में डग आउट में बैट और हेलमेट भी पटकते देखा गया। क्वेटा की टीम 15.5 ओवर में 106 रन पर सिमट गई थी। सोशल मीडिया पर 'बाबरफाइड' नाम के एकाउंट से इसका वीडियो शेयर किया गया है। उसके कैप्शन में लिखा है- इफ्तिखार चाचू और जेसन रॉय के बीच गहमा-गहमी। रॉय और इफ्तिखार के बीच वाकयुद्ध पर प्रतिक्रिया देते हुए पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने इंग्लैंड के बल्लेबाज को उनके बेकार गुस्से के लिए फटकार लगाई। अकरम ने कहा कि रॉय को यह नहीं भूलना चाहिए कि वह पाकिस्तान में खेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड के इस सलामी बल्लेबाज को इस तरह के झगड़े में खुद को शामिल करने की आदत है। अकरम ने कहा, 'रॉय बस अनावश्यक रूप से गुस्सा हो जाता है। जेसन रॉय को पता होना चाहिए कि वह पाकिस्तान में है। उन्हें हमारे खिलाड़ियों और हमारी संस्कृति का सम्मान करना होगा। आउट होने के बाद वह नाराज क्यों थे? यह उनकी अपनी गलती थी और उसका गुस्सा बेकार था। वह नियमित रूप से ऐसा करते हैं।' इस बीच रॉय ने हाल में निजी कारणों से खुद को आईपीएल के आगामी सत्र से बाहर कर लिया है। रॉय पिछले सत्र से पहले केकेआर से जुड़े थे। उन्हें बांग्लादेश के आलराउंडर शाकिब अल हसन की जगह टीम में शामिल किया गया था। अब इस सीजन उनके रिप्लेसमेंट के रूप में केकेआर ने इंग्लैंड के ही विस्फोटक बल्लेबाज फिल सॉल्ट को शामिल किया है। सॉल्ट को ऑक्शन से पहले दिल्ली कैपिटल्स ने रिलीज किया था। हालांकि, उन्हें नीलामी में कोई टीम नहीं मिली थी। यह आईपीएल में सॉल्ट का दूसरा सीजन होगा। केकेआर ने सॉल्ट को 1.5 करोड़ रुपए में साइन किया है।

एलिस पेरी को डेट पर ले जाना चाहता था यह शादीशुदा भारतीय क्रिकेटर, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने दिया जवाब

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर एलिस पेरी इन दिनों भारत में हैं। वह महिला प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम का अहम हिस्सा हैं और अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत टीम को फाइनल में पहुंचा चुकी हैं। शुक्रवार को पेरी के शानदार अर्धशतक और फिर घातक गेंदबाजी की बदौलत आरसीबी की टीम ने मुंबई इंडियंस को एलिमिनेटर में हराया था। इसके बाद से पेरी लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। अपनी खूबसूरती की वजह से वह भारतीय क्रिकेट फैंस के बीच चर्चित हो रही हैं। भारतीय क्रिकेटर मुरली विजय ने 2020 में इंस्टाग्राम चैट के दौरान कहा था कि वह शिखर धवन के अलावा एलिस पेरी को डिनर डेट पर ले जाना चाहते हैं। वह बेहद खूबसूरत हैं। इस बारे में जब पेरी से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अगर पैसे मुरली विजय दे रहे हैं तो बेशक वह जाना चाहेंगी। उनकी बेहद मेहरबानी होगी। मैं बहुत अच्छा महसूस करूंगी।

पिछले साल ही पेरी का अपने पति मैट टोमा के साथ तलाक हुआ था। पिछले साल होली के मौके पेरी भारत में ही थीं। उन्होंने अपनी टीम की साथियों और सपोर्ट स्टाफ के साथ जमकर जश्न मनाया था और बाद में उनके बालों से रंग नहीं निकल रहा था। इसके बाद उनकी साथी क्रिकेटर सोफी डिवाइन ने सोशल मीडिया पर पूछा था कि सुनहरे बालों से होली का रंग कैसे हटाएं। इसके बाध भी पेरी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं, जिनमें वह अपने रंग बिरंगे बाल दिखा रही थीं और कह रही थीं कि दो बार सिर धोने के बावजूद उनके बालों का रंग पहले की तरह नहीं हुआ। पेरी दुनिया की पहली क्रिकेटर हैं, जिन्होंने टी20 क्रिकेट में 100 विकेट लेने के साथ ही 1000 से ज्यादा रन भी बनाए हैं। पेरी महिला क्रिकेट की सबसे महानतम खिलाड़ियों से एक हैं। बेहद कम उम्र में ऑस्ट्रेलियाई टीम में जगह बनाने वाली पेरी अभी भी टीम की सबसे अहम सदस्यों में से एक हैं और लगातार नए रिकॉर्ड बना रही हैं। उन्होंने महिला प्रीमियर लीग 2024 में मुंबई के खिलाफ लीग मैच में 15 रन देकर छह विकेट लिए थे, जो कि महिला लीग के इतिहास का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स की मरिजाने कैप का रिकॉर्ड तोड़ा था। कैप ने 2023 में पांच विकेट लिए थे।

एलिस पेरी को टाटा ने दिया टूटा हुआ कांच! वजह कर देगी हैरान, यूपी के खिलाफ मैच में की थी तोड़फोड़

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की स्टार ऑलराउंडर एलिस पेरी को टाटा की तरफ से खास तोहफा दिया गया है। शुक्रवार को आरसीबी बनाम मुंबई मैच के बाद कंपनी ने महिला क्रिकेटर को टूटा हुआ कांच दिया। यह वही कांच है जिसे एलिस पेरी ने अपने धमाकेदार शॉट से तोड़ा था। दरअसल, महिल प्रीमियर लीग के 11वें मैच में ऑस्ट्रेलिया की इस खिलाड़ी ने अपने दमदार छक्का लगाकर स्टेडियम में खड़ी कार का कांच तोड़ दिया था, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया था। स्मृति मंधाना की अगुवाई वाली टीम ने बीती शाम मुंबई इंडियंस को पांच रन से हराकर फाइनल में जगह बना ली। अब टीम का सामना दिल्ली कैपिटल्स से 17 मार्च को अरुण जेटली स्टेडियम में होगा। दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी। आरसीबी पहली बार महिला प्रीमियर लीग के फाइनल में पहुंची है जिसकी नजर खिताब पर होगी।

33 वर्षीय ऑराउंडर का धमाकेदार प्रदर्शन महिला प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन में एलिस पेरी का प्रदर्शन शानदार रहा है। 33 वर्षीय खिलाड़ी ने एमआई के खिलाफ एलिमिनेटर मैच में विस्फोटक प्रदर्शन किया। उन्होंने आरसीबी के लिए आठ चौकों और एक छक्के की मदद से 66 रन बनाए और एक विकेट हासिल किया। इस दमदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच के अवॉर्ड से नवाजा गया। स्टार खिलाड़ी दूसरे सीजन में 312 रन बनाकर ऑरेंज कैप की रेस में शीर्ष पर हैं। दमदार छक्के से पेरी ने तोड़ा कार का शीशा मुंबई के खिलाफ जीत के बाद टाटा की तरफ से उन्हें खास तोहफा दिया गया जिसमें पंच ईवी कार का टूटा हुआ कांच था जिसे उन्होंने तोड़ा था। यूपी के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 19वें ओवर में पेरी ने दमदार छक्का मारा था। दीप्ति शर्मा के खिलाफ सख्त रुख अख्तियार करते हुए पेरी ने जोरदार सिक्स के साथ स्टेडियम में खड़ी कार का शीशा तोड़ दिया था। कांच टूटने के बाद पैरी हैरान नजर आई थी। आरसीबी ने यह मैच 23 रन से जीत लिया था।

पार्षद राजीव भाटी ने किया सड़क का उद्घाटन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। वार्ड 73 के पार्षद राजीव भाटी ने गणेशपुरी नाले वाला रोड रतन चक्की से लेकर शाहिद नगर पुलिया तक की सड़क का उद्घाटन किया। वहीं बी ब्लॉक चंद्रशेखर पार्क के अंदर का नई ट्रैक बनने के कार्य का भी शुभारंभ किया। पार्षद राजीव भाटी ने कहा कि ये विकास कार्य जनता को होली की सौगात हैं। उन्होंने कहा कि नाले वाला रोड पार्क की ट्रैक पर कई बार हमारे बुजुर्गों के चोटिल होने की घटनाएं होती रहती थीं। पार्षद काफी पहले से निजी स्तर पर भी प्रयास करते रहे हैं और आज इस समस्या का स्थाई समाधान कर दिया गया है । जनता ने विकास की इस गति को देखकर पार्षद का अभिवादन किया। पार्षद राजीव भाटी का कहना है कि आने वाले समय में वार्ड 73 को आदर्श वार्ड बनाने की दिशा में उनका अथक प्रयास रहेगा। । इस अवसर पर युग गुर्जर (पार्षद प्रतिनिधि) निलेश मित्तल , संटू , सुषमा, सुनील भाटी, जुगल किशोर, नीरज त्यागी आदि लोग मौजूद रहे।

आईपीएल से पहले कमेंट्री का ऐलान, हरभजन सिंह-सुनील गावस्कर समेत लिस्ट में तमाम दिग्गजों के नाम शामिल

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 में अब एक हफ्ते से भी कम समय बचा है। 22 मार्च को टूनार्मेंट के 17वें संस्करण का आगाज होगा। पहला मुकाबला गत विजेता चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच खेला जाएगा। इससे पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कमेंट्री पैनल का एलान कर दिया है। इसमें सुनील गावस्कर और हरभजन सिंह जैसे तमाम दिग्गजों के नाम शामिल हैं। लोकसभा चुनावों के चलते बीसीसीआई ने अभी 21 मैचों का शेड्यूल जारी किया है। इस बीच कमेंट्री पैनल की भी घोषणा कर दी गई है जिसमें अंग्रेजी और हिंदी कमेंट्री के लिए अलग-अलग दिग्गजों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। लिस्ट में भारतीय खिलाड़ियों के अलावा विदेशी दिग्गजों का नाम भी शामिल है।

हिंदी कमेंट्री के लिए मिली इन दिग्गजों को जिम्मेदारी

बीसीसीआई ने हिंदी कमेंट्री पैनल में हरभजन सिंह, इरफान पठान, सुनील गावस्कर, रवि शास्त्री, इमरान ताहिर, अंबाती रायडू, वरुण आरोन, मिताली राज, मोहम्मद कैफ, संजय मांजरेकर, वसीम जाफर, गुरकीरत मान, उन्मुक्त चंद, जतिन सप्रू, दीप दासगुप्ता, रजत भाटिया, विवेक राजदान और रमन पदमजीत शामिल हैं। हिंदी कमेंट्री के लिए जारी की कई सूची में मिताली राज इकलौती महिला क्रिकेटर शामिल हैं। वहीं, वसीम जाफर का नाम भी इस लिस्ट में शामिल किया गया है जो हाल ही में पंजाब किंग्स से अलग हुए थे।

अंग्रेजी कमेंट्री पैनल में शामिल दिग्गज

अंग्रेजी कमेंट्री के लिए स्टीव स्मिथ, स्टुअर्ट ब्रॉड, स्टेन, जैक्स कैलिस, टॉम मूडी, पॉल कॉलिंगवुड, सुनील गावस्कर, ब्रायन लारा, रवि शास्त्री, हेडन, केविन पीटरसन, माइकल क्लार्क, संजय मांजरेकर, आरोन फिंच, इयान बिशप, नाइट, कैटिच, मॉरिसन, मॉरिस, बद्री, केटी, ग्रीम स्वान, दीप दासगुप्ता, हर्षा भोगले, एमबींगवा, अंजुम चोपड़ा, मुरली कार्तिक, रमन, रोहन गावस्कर, गंगा, हॉवर्ड और जर्मनोस को चुना गया है। गावस्कर, शास्त्री और दीप दासगुप्ता हिंदी के अलावा अंग्रेजी में भी अपना योगदान देते नजर आएंगे।

ट्रक ऑपरेटर एसोसियेशन ने किया होली मिलन समारोह

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। गाजियाबाद ट्रक ऑपरेटर एसोसियेशन ने आरडीसी स्थित होटल एडीआर में होली मिलन समारोह का आयोजन किया। समारोह में मंडल अध्यक्ष कमलेश कुमार शर्मा कम्मो पंडितजी तथा एसोसियेशन के अध्यक्ष पं० महेन्द्र शर्मा तथा सभी पदाधिकारियों ने चंदन टीका व गुलाल लगाकर समारोह की शोभा बढ़ाई।

नेहरू वर्ल्ड स्कूल में मनाया वार्षिकोत्सव

गाजियाबाद,करंट क्राइम। नेहरू वर्ल्ड स्कूल में शनिवार को हैल्दी प्लनेट वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्री नर्सरी, नर्सरी व के.जी के छात्रों ने आत्मविश्वास के साथ नाटक प्रस्तुत किया। यह समाराह दो पारी में संपन्न हुआ, दोनों पारियों में अलग-अलग छात्रों ने अपने अभिनय का परिचय दिया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण नाटक की कहानी एल्मर तथा कैराम्बा थी, जिसे अंग्रेजी में प्रस्तुत किया गया। प्रथम पारी के कार्यक्रम में विशेष अतिथि डॉ० अरिंदम सिन्हा डॉ० चुमकाई डे थीं एवं द्वितीय पारी के विशेष अतिथि डॉ० सीमा भट्ट गुप्ता रहीं। विद्यालय की एग्जीक्यूटिव हैड सुश्री सुजैन होम्स ने समस्त अभिभावकों तथा गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत प्रेरणात्मक व सकारात्मक शब्दों के साथ किया। कार्यकम का आरंभ नाटक की 'मेकिंग' को दिखाकर किया गया। यह नाटक दो कहानियों पर आधारित था। प्रथम कहानी एल्मर एक रंग-बिरंगे चितरीदार हाथी की है, जिसकी इच्छा अन्य हाथियों जैसा बनने की है। ये कहानी रंग, ज्ञान और करुणा से भरपूर कहानी हमें यह संदेश देती है कि अपने गुणों को समझना और उससे प्यार करना ही असली खुशी है। दूसरी कहानी कैराम्बा नामक एक अनोखी बिल्ली की है जिसे कुछ नया करने में खुशी मिलती है। वो बादलों में उड़ना चाहती है, हवा की सीटी को सुनना चाहती है। इसी प्रयास में वो हर बार उड़ती है पर वापस जमीन पर गिरती है। इसके माध्यम से छात्रों ने यह संदेश दिया कि नया अनुभव व नई चुनौती अवश्य स्वीकार करनी चाहिए पर स्वयं में छिपे गुणों से ही हमें वास्तविक खुशी मिलती है। कल्पनाओं पर आधारित इस नाटक के माध्यम से यह बताने का प्रयास किया गया कि नवीनता और खुशी जीवन के सकारात्मक पहलू हैं। नन्हे-नन्हे छात्रों ने अपने अभिनय, संगीत और नृत्य के द्वारा आमंत्रित अभिभावकों व अतिथिगणों के मन को मोह लिया। सभी ने कार्यक्रम का भरपूर आनन्द उठाया और उनके अभिनय और नृत्य की प्रशंसा की। समारोह के अंत में विद्यालय के डायरेक्टर डॉ० अरुणाभ सिंह ने छात्रों के अभिनय की प्रशंसा तथ उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एनएसएस इकाई के स्वयंसेवकों ने मलिन बस्तियों के बच्चों को पढ़ाया साक्षरता का पाठ

गाजियाबाद,करंट क्राइम। मोहननगर स्थित आईटीएस की एनएसएस इकाई ने सात दिवसीय शिविर के पहले दिन कार्यक्रम संचालन अधिकारी प्रो0 अमित शर्मा की देखरेख में वसुंधरा सेक्टर-2 के आस-पास मलिन बस्तियों में अर्थिक रूप से पिछड़े एवं गरीब छात्रों के लिए सर्व शिक्षा अभियान के तहत खेल-खेल में मनोरंजक तरीकों से शिक्षण-प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ-साथ खाद्य सामग्री का वितरण किया। आईटीएस के निदेशक डॉ. सुनील कुमार पाण्डेय ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों को अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को हमेशा स्वयं से ऊपर रखना चाहिए। वाइस प्रिंसिपल प्रो0 नैंसी शर्मा ने कहा कि छात्रों का पहला कर्तव्य अध्ययन के अपने समय को बौद्धिक विचारों में मग्न रखने का अवसर मानना नहीं होना चाहिए बल्कि उन्हें इसे उन लोगों की सेवा में सम्पूर्ण समर्पण के लिए स्वयं को तैयार करने का अवसर मानना चाहिए जिन्होंने राष्ट्रीय सेवाओं के रूप में राष्ट्र का मुख्य आधार तैयार किया, जो किसी समाज के लिए बहुत अनिवार्य होता है। कार्यक्रम में प्रो0 अमित शर्मा, विकास त्यागी, डॉ. संदीप गर्ग, प्रो. विकास कुमार, प्रो. आदिल खान, प्रो.प्रशान्त त्यागी एवं बीबीए तथा बीसीए पाठ्यक्रमों के 50 छात्रों ने भाग लिया।

छात्र ने की फायरिंग

हापुड़। जनपद हापुड़ के थाना गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में स्थित रुद्रा इंस्टिट्यूट में एक छात्र ने फायरिंग कर दी। फायरिंग में एक सुरक्षाकर्मी घायल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने छात्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। आपको बता दें कि रुद्रा इंस्टिट्यूट में परीक्षा थी। सुरक्षाकर्मी विजय सिंह ने बताया कि वह गेट पर ड्यूटी दे रहे थे। सुबह करीब साढ़े दस बजे एक छात्र बाइक से कॉलेज पहुंचा। छात्र ने गेट के सामने बाइक खड़ी कर दी। गार्ड ने छात्र से बाइक हटाने के लिए कहा तो छात्र गार्ड के साथ गाली गलौच करने लगा। इसके बाद गार्ड ने अन्य कर्मचारियों के साथ मिलकर उसको वहां से भगा दिया। कुछ ही देर बाद छात्र बन्दूक लेकर दोबारा कॉलेज पहुँचा उसने गार्ड पर एक के बाद एक फायरिंग शुरू कर दी। छात्र ने गार्ड के ऊपर तीन फायरिंग की जिसमे से एक गोली गार्ड विजय सिंह के हाथो को छूकर निकल गयी जिससे गार्ड घायल हो गया। इसके बाद छात्र गार्ड को जान से मरने की धमकी देकर भाग गया।

आखिरी लिस्ट ने ला दिया कईयों के लिए टविस्ट्

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में चुनावी आचार संहिता लगने से पहले जो लिस्ट आई उसने टविस्ट् ला दिया है। एसीपी से लेकर थ्री-स्टार और टू-स्टार के लिए यह लिस्ट वरदान तो कई के लिए यह अभिशाप बन गई बताई जा रही है। हालांकि इस लिस्ट के कई संदेश भी दिखाई दे रहे हैं कि काम करने वालों को सर्किल का चार्ज मिल ही गया। वहीं साइड लाइन किए गए चेहरे मायूस और उदास बताए जा रहे हैं। सिंह साहब फिर किंग का ताज बरकरार रखने में पूरी तरह से कामियाब बताए जा रहे हैं। वहीं सूत्र बता रहे हैं कि सिटी की उस चौकी पर हुई लूट के मामले में भी अधिकारियों ने कार्रवाई वाला करंट दिया है। इसी के साथ पुलिस कमिश्नरेट वाले सूत्रों की मोहर फिर सटीक साबित हुई है। चुनाव से पहले कोई थाना प्रभारी नहीं बदल गया और एसीपी वह सभी भेजे गए हैं जो सर्किल डिजर्व करते हैं। शहर और नदियापार के एसीपी साहब लोगों की वर्किंग कमिश्नरेट के ऑफिस तक गूंजती है। इसी के साथ सिटी वाले साहब के पूर्व पीआरओ भी पैदल कर दिए गए हैं। क्षेत्र में एक्टिव ना होने की वजह से जो नुकसान हुआ सो अलग बात है पर अभी कई वारदातें भी वह पेडिंग छोड़ गए हैं। चौकी पर कराई पुताई शायद अपना असर नहीं दिखा पाई है। इसी के साथ लंबे समय से खाली चल रही खास इलाके की चौकी पर भी टू-स्टार पर भरोसा जताया गया है। वन स्टॉप सेंटर को भी उपयुक्त चेहरा दे दिया गया है। हालांकि अभी सिटी वालों के लिए कई खुलासे शेष हैं लेकिन उनकी सर्विलांस और क्राइम टीम को मजबूत बनाने के लिए नए चेहरे जोड़े गए हैं। हो सकता है कि वहां जो पुराना वाला सीन था, अब खत्म हो जाए। नदियापार के एक थाने में 2015 बैच पर फिर भरोसा जताया गया है। कुल मिलाकर इस पोस्टिंग के पूर्व कनेक्शन की भी चर्चा जमकर हो रही है। अब पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में कई महीनों में क्या-क्या रंग और बदलाव आएंगे यह देखना शेष है। किस पर चुनाव आयोग वालों की तलवार चलेगी और कौन अपनी कोतवाली बचाने में सफल होगा। इसी के साथ देखना होगा कि कौन सा जोन चुनाव में कितना बेस्ट साबित होता है और किस सर्कल की पुलिसिंग और वर्किंग टॉप पर आएगी।

भगवती इंस्टीट्यूट ने बीसीए पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को कराया औद्यागिक भ्रमण

गाजियाबाद,करंट क्राइम। भगवती इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस ने अपने बीसीए पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए औद्योगिक भ्रमण कराया। बीसीए प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने अभिवान टेक्नोलॉजी का औद्योगिक भ्रमण किया। यह एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बेस्ड सॉफ्टवेयर कंपनी है जिसकी एच आर मैनेजर मिथलेश व उनकी टीम ने ए आई बेस्ड एडवर्टाइजमेंट प्रोजेक्ट और वीआर टेक्नोलॉजी बेस्ड अनेक प्रोजेक्ट्स विद्यार्थियों को दिखाए एवं उनके पीछे कार्यरत तकनीकी ज्ञान की सभी विद्यार्थियों को विस्तृत जानकारी दी। प्रोफेसर पवन कुमार व ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट हेड तनवी गौर की देखरेख में विजिट रहा। विद्यार्थियों में अभिषेक, ध्रुव और गुनगुन आदि ने विजिट में प्रशंसनीय भागीदारी की।सभी विद्यार्थी विजिट्स की विस्तृत रिपोर्ट में लर्निंग टेक अवेज का वर्णन करके रिपोर्ट जमा करने के लिए उत्साहित नजर आये।

महिला सशक्तिकरण हेतु अभिनव प्रयोग कार्यक्रम का शुभारंभ

मुरादनगर करंट क्राइम। नगर की महिला उन्नति प्रशिक्षण संस्थान तथा नगरपालिका परिषद मुरादनगर के तत्वाधान में नगर में एक अभिनव कार्यक्रम का शुभारंभ महिला उन्नति प्रशिक्षण संस्थान मुरादनगर कार्यालय पर किया गया। इसमें महिलाओं द्वारा अनुपयोगी वस्तुओ से उपयोगी वस्तुएं बनाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा।इस कार्यक्रम का उद्घाटन स्वच्छ भारत मिशन के डी पी एम अरविंद कुमार एवं पिंक बूथ की इंचार्ज रविता चौधरी , एस आई अनिल कुमार नगरपालिका परिषद मुरादनगर, वन स्टॉप सेंटर की केस वर्कर गुंजन मैडम, और संस्थान की राष्ट्रीय अध्यक्ष दुर्गेश शर्मा द्वारा सयुक्त रूप से किया गया।इस कार्यक्रम में 150 महिलाओ ने प्रतिभाग किया।इसमें महिलाओं ने मिट्टी से बने समान, प्लास्टिक से बने सामान, और पुराने कपड़े से बनाए गए बैग की प्रदर्शनी लगाई गई। सभी महिलाओ को सम्मानित किया गया।संस्थान द्वारा महिलाओ द्वारा बनाए गए समान को विभिन्न सोसल साइड के माध्यम से जन जन तक पहुंचाया जाएगा। इसमें विभिन्न समूहों की महिलाओ ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में शैली त्यागी, प्रीति, डिंपी, नेहा, सोनिया, कविता, ऋतु, राजकुमारी, मोनिका, संगीता, सविता आदि ने भाग लिया।

ब्रह्मताल पर्वत पर साढ़े बारह हजार फीट की चढ़ाई कर फहराया तिरंगा

मुरादनगर करंट क्राइम। नगर क्षेत्र की नीलकंठ माउंटेनियरिंग ट्रैकिंग एसोसिएशन के 12 सदस्यों ने उत्तराखड़ की साढे बारह हजार फीट ऊँचे ब्रम्हताल पर्वत पर चढ़ाई कर तिरंगा फहराया। दल में कक्षा सात व कक्षा की छात्रा भी मौजूद थी। मुरादनगर पहुंचने पर दल का स्वागत किया गया। नीलकंठ माउंटेनियरिंग ट्रैकिंग एसोसिएशन के सचिव योगेश कुमार ने बताया कि अवधेश कुमार ,अनिल ,अनीता ,मनीषा,स्वाति ,हेमनाथ ठाकुर ,किशरवीर पाल के अलावा कक्षा सात की छात्रा शाम्भवी गुप्ता व कक्षा दस की छात्रा याजूषी गुप्ता भी दल के साथ मौजूद थी। उन्होने बताया कि यह दल मुरादनगर से उत्तराखंड के चमोली पहुंचा। ग्यारह मार्च को चमोली से ब्रम्हताल पर्वत पर चढ़ाई करनी शुरु की। उन्होने बताया कि 12250 ऊँचे पर्वत पर चढ़ाई करने के दौरान कई बार बर्फीली हवां चली। जिस कारण बीच में दो बार अभियान को रोकना पड़ा। उन्होने बताया कि 13 मार्च को ब्रहम्ताल पर्वत पर चढ़ाई पूरी करके तिरंगा फहरा दिया गया। उन्होने बताया कि चढ़ाई के समय पर्वत पर तापमान माईनस चार डिग्री था। शनिवार को दल का मुरादनगर पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया।

पिस्टल के साथ की वीडियो पोस्ट पुलिस ने किया गिरफ्तार

मुरादनगर करंट क्रइम। नगर क्षेत्र में सोशल मीडिया पर पिस्टल के साथ फोटो पोस्ट करना एक युवक को काफी महंगा पड़ा। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर चालान कर दिया है। पुलिस जिसकी पिस्टल थी ,उसकी तलाश कर रही है। एसीपी नरेश कुमार ने बताया कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा था। जिसमें एक युवक पिस्टल हाथ में ले रखी थी। उन्होने बताया कि किसी ने इसको एक्स पर पोस्ट कर दिया कर कार्रवाई की मांग की। एसीपी ने बताया कि वीडियो के आधार पर युवक की तलाश की गई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। युवक ने अपना नाम पुष्पेन्द्र निवासी कृष्णा कॉलोनी बताया है। उन्होने बताया कि युवक ने किसी की पिस्टल लेकर वीडियो बनाया था। उन्होने बताया कि जिसकी पिस्टल थी ,उसकी तलाश की जा रही है।

आईएमएस वार्षिक महोत्सव में रही धूम

गाजियाबाद, करंट क्राइम। आईएमएस यूनिवर्सिटी कोर्सेज कैंपस में चल रहे दो दिवसीय वार्षिक महोत्सव पल्स के दूसरे दिन कार्यक्रम में बॉलीवुड गायक मोहम्मद दानिश को भी आमंत्रित किया गया।मोहम्मद दानिश द्वारा गाये गानों का छात्र छात्राओं ने भरपूर आनंद उठाया। कार्यक्रम में 14 प्रतियोगिताएं हुईं।

कार्यक्रम में गाजियाबाद, नोएडा, हापुड और दिल्ली के अलावा भारत के विभिन्न राज्यों के कॉलेजों से 2000 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। फैशन शो में गलगोटिया यूनिवर्सिटी ग्रेटर नॉएडा की टीम स्किन्टिलेशन प्रथम रही। बेस्ट मॉडल पुरुष श्रेणी में औरोबिन्दो कॉलेज दिल्ली यूनिवर्सिटी के काव्या मित्तल ने बाजी मारी, वहीं बेस्ट मॉडल फीमेल श्रेणी ग्रुप में आईएमएस यूनिवर्सिटी कोर्सेज कैंपस की आकांक्षा प्रथम रहीं। बेस्ट ड्रेस के लिए मोतीलाल नेहरू कॉलेज की हर्षिता को चुना गया जबकि बेस्ट वाक में लॉयड कॉलेज के हार्दिक ने बाजी मारी। सुर ताल, सोलो सिंगिंग में शारदा यूनिवर्सिटी के आशीष झा प्रथम रहे एवं भीमराव कॉलेज के करन राय द्वितीय स्थान पर रहे। कलाकृतिः रंगोली में जिम्स नोएडा की सृष्टि श्रीवास्तव की टीम प्रथम एवं लॉयड लॉ कॉलेज की आस्था सिंघल की टीम द्वितीय स्थान पर रही। नटराजः सोलो डांस में शिव नादर यूनिवर्सिटी के वैभव सारस्वत प्रथम एवं हाईटेक कॉलेज के विवेक श्रीवास्तव द्वितीय स्थान पर रहे। जैमः जस्ट ए मिनट में आईएमएस यूनिवर्सिटी कोर्सेज कैंपस की अनुष्का शर्मा प्रथम एवं आफ़्ट कॉलेज के अनमोल गौतम ने द्वतीय स्थान प्राप्त किया। नुक्कड़ नाटक में मोतीलाल नेहरू कॉलेज की टीम अस्तित्व प्रथम स्थान पर रही।

कार्यक्रम के अंत में विजित प्रतिभागियों को आईएमएस गाजियाबाद ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन के जनरल सेक्रेटरी राकेश छारिया एवं संस्थान के निदेशक डॉ.अरुण कुमार सिंह द्वारा स्मृति चिन्ह एवं नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पूजा रस्तोगी ने किया गया।

सेटर ऑफ सुपरकंप्यूटिग का आईटी मंत्री ने किया उदघाटन, सुपर कंप्यूटर लाएगा आईटी क्रांति

मुरादनगर करंट क्राइम। नगर क्षेत्र में स्थित काईट संस्थान में सेंटर ऑफ सुपरकंप्यूटिंग समारोह का उदघाटन यू.पी. के इलेक्ट्रॉनिकस व सूचना प्रोद्योगिकी मंत्री सुनील शर्मा व पूर्व राज्यमंत्री अतुल गर्ग ने किया। यह दुनिया 5 पेटाफ्लॉप्स एआई सुपरकंप्यूटर है। यह सुपर कंप्यूटर 60 हजार कंप्यूटर के बराबर काम करेंगा। इसे स्टार्ट इन यूपी नामक स्टार्टअप नीति को समर्थित किया गया है। समारोह को सम्बोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कहा कि सुपरकंप्यूटिंग केन्द्र से एनसीआर में आईटी क्रांति आ जाएगी। छात्र सुपर कंप्यूटर पर काम करेंगे ,तो वे नए उत्पाद और विचार बनाने में सक्षम होगे। उन्होने कहा कि अब सुपर कंप्यूटर की शिक्षा लेने के लिए छात्रों को विदेश नहीं जाना होगा। उन्होने कहा कि एनवीडिया डीजीएक्स एआई 100 सुपरकंप्यूटर के माध्यम से छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व मशीन लर्निग क्षेत्र में आगे बढ़ने के नए अवसर प्रदान करेंगा। इस मौके पर विधायक व पूर्व राज्यमंत्री अतुल गर्ग ,महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा ,केशव त्यागी ,सुनील पी गुप्ता ,जीडी जैन ,आदि नारायण, डॉ. मनोज गोयल व अनिल अहलावत ने भी छात्रों को सुपर कंप्यूटर के बारे में बताया। कंप्यूटर विभाग की एचओडी डौम रेखा कश्यप ने बताया कि एनवीडिया डीजीएक्स ए100 दुनिया का पहला 5 पेटाफ्लॉप्स एआई सिस्टम है, जिसे प्रशिक्षण, अनुमान और विश्लेषण को एकीकृत करने के लिए डिजाइन किया गया है। सुपरकंप्यूटिंग केंद्र में डीजीएक्स ए100 सिस्टम को नए दृष्टिकोण को दशार्ता है। सुपर कंप्यूटर ऊॅ अ100 कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स, जलवायु विज्ञान, जीनोमिक्स और अन्य क्षेत्रों में अनुसंधान को गति देगा।

समुद्री लुटेरों ने नौसेना पर फायरिंग की, नेवी ने क्रू मेंबर्स को छोड़ने और सरेंडर करने को कहा, 3 महीने पहले हाईजैक हुआ था जहाज

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना 3 महीने पहले हाईजैक हुए जहाज को बचाने की कोशिश कर रही है। इस बीच सोमालिया के समुद्री लुटेरों ने नेवी पर फायरिंग की है। भारतीय नौसेना ने इसका एक वीडियो शेयर किया है।

नौसेना ने कहा- 14 दिसंबर को भी समुद्री लुटेरों ने माल्टा के जहाज MV रुएन को हाईजैक कर लिया था। वो इस जहाज का इस्तेमाल समुद्र में डकैती करने के लिए कर रहे थे। 15 मार्च को हमारा एक चॉपर (हेलिकॉप्टर) जहाज को बचाने के लिए उसके करीब पहुंचा। इसके फौरन बाद समुद्री लुटेरों ने चॉपर पर फायरिंग शुरू कर दी।

फिलहाल हम सेल्फ डिफेंस में कार्रवाई कर रहे हैं। लुटेरों से सरेंडर करने को कहा गया है। साथ ही उनसे बंधक बनाए गए क्रू मेंबर्स को आजाद करने के लिए भी कहा गया है। क्रू मेंबर्स की संख्या की जानकारी नहीं है।

भारतीय नौसेना ने 14 मार्च को हिंद महासागर में बांग्लादेशी जहाज MV अब्दुल्लाह को सोमालिया के समुद्री लुटेरों से रेस्क्यू किया था। 12 मार्च को मोजाम्बिक से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जा रहे बांग्लादेशी मर्चेंट वेसल अब्दुल्लाह पर 15-20 हथियारबंद लुटेरों ने जहाज पर हमला कर दिया था।

जहाज सोमालिया की राजधानी मोगादिशु से करीब 1100 किलोमीटर दूर था। इस पर बांग्लादेश के 23 क्रू मेंबर्स सवार थे। हाइजैक की सूचना मिलते ही भारतीय नेवी ने क्रू मेंबर्स से संपर्क करने की कोशिश की। इसके बाद कोई जवाब न मिलने पर नौसेना ने अपने पेट्रोलिंग एयरक्राफ्ट को जहाज की निगरानी के लिए भेजा था। जहाज पर करीब 55 हजार टन कोयला मौजूद था। हाईजैक की सूचना मिलते ही एक मैरीटाइम पेट्रोलिंग एयरक्राफ्ट P8I को जहाज की तरफ रवाना किया गया। मर्चेंट वेसल की सुरक्षा के लिए INS चेन्नई को भी भेजा गया। नौसेना का ऑपरेशन 5 जनवरी को पूरा हुआ था। इस दौरान 15 भारतीयों समेत सभी 21 क्रू मेंबर्स को सुरक्षित निकाल लिया गया था।

भारतीय क्रू वाले जहाजों पर भी हमला कर चुके हैं समुद्री लुटेरे

लुटेरे अब तक 5 बार भारतीय क्रू मेंबर वाले जहाजों पर भी हमला कर चुके हैं। 4 जनवरी को भारतीय नौसेना ने समुद्री लुटेरों से एक जहाज को छुड़ाया था। लाइबेरिया के फ्लैग वाले इस जहाज का नाम लीला नोर्फोक था। भारतीय नौसेना ने बताया था कि जहाज ने ब्रिटेन के मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स पोर्टल पर एक संदेश भेजा था। इसमें कहा गया था कि 5-6 सुमद्री लुटेरे हथियारों के साथ जहाज पर उतरे।

1990 के बाद सोमालिया में बढ़े समुद्री लुटेरे

सोमालिया वो मुल्क है जिसके समुद्र में बड़ी तादाद में मछलियां मौजूद हैं। 1990 तक इसकी अर्थव्यवस्था मछलियों से ही चलती थी। तब यहां समुद्री लुटेरों का कोई डर नहीं था। अधिकतर लोग मछली का व्यापार करते थे। फिर यहां सिविल वॉर शुरू हो गई। सरकार और नौसेना नहीं रही। इसका फायदा विदेशी कंपनियों ने उठाया। सोमालिया के लोग छोटी नावों में मछली पकड़ते थे। उनके सामने विदेशी कंपनियों के बड़े-बड़े ट्रॉलर आकर खड़े हो गए। लोगों का रोजगार छिनने लगा। इससे परेशान होकर 1990 के बाद इस देश के लोगों ने हथियार उठा लिए और समुद्री लुटेरे बन गए।

अगले 50-60 वर्षों में आर्थिक ताकत का केंद्र बनेगा हिंद महासागर : राष्ट्रपति विक्रमसिंघे

नई दिल्ली। हिंद महासागर क्षेत्र में जबरदस्त विकास हो रहा है और यह अगले पचास से साठ वर्षों में महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्र बनने जा रहा है। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रम सिंह ने शनिवार को द्वीप राष्ट्र और भारत के बीच व्यापार और आर्थिक संबंधों का जिक्र करते हुए यह बात कही।

श्रीलंका के 76वें स्वतंत्रता दिवस और भारत के 75वें गणतंत्र दिवस का जश्न मनाने के लिए कोलंबो में श्रीलंका-भारत सोसाइटी में एक सभा आयोजित की गई थी। इसको संबोधित करते हुए विक्रमसिंघे ने कहा कि भारत, इंडोनेशिया, ईरान और सऊदी अरब जैसे देशों की हिंद महासागर क्षेत्र में बड़ी भूमिका है और वे विभिन्न पहलुओं पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा, भारत, इंडोनेशिया, ईरान और सऊदी अरब जैसे देश विभिन्न पहलुओं पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। हिंद महासागर क्षेत्र में महत्वपूर्ण विकास हो रहा है। हिंद महासागर क्षेत्र अगले 50-60 वर्षों में एक महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा, यह जरूरी है कि हम इस प्रयास को अभी शुरू करें। हमारे दोनों देशों के बीच मौजूदा सियासी संबंधों और विभिन्न क्षेत्रों में हमारी निकटता को देखते हुए यह जरूरी है कि हम सहयोग करें और एक साथ प्रगति करें। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि भारत और श्रीलंका के बीच मजबूत व्यापार और आर्थिक संबंधों की जरूरत है। श्रीलंका और भारत के बीच गहरे धार्मिक और सांस्कृतिक संबंध हैं। दुर्भाग्य से दोनों देशों ने आपस में व्यापार और आर्थिक संबंधों को नजरअंदाज किया है।

उन्होंने आगे कहा, यह याद रखना जरूरी है कि हमारे संबंध सांस्कृतिक संबंधों से परे भी हैं। ऐतिहासिक तथ्यों से पता चलता है कि मोहनजोदड़ो सभ्यता के समय में भी भारत से श्रीलंका के लिए जहाज रवाना हुए थे। विक्रमसिंघे ने कहा कि अनुराधापुरा के प्राचीन गांवों की खुदाई के दौरान कुछ क्षेत्रों में दक्षिण भारतीय व्यापार संगठनों द्वारा जारी संगठनों के सिक्के मिले हैं। यह पुरातात्विक साक्ष्य इस ओर इशारा करते हैं कि श्रीलंकाई रुपये और भारतीय रुपये के इस्तेमाल पर समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने से बहुत पहले से लोगों ने व्यापार लेनदेन ककरने के लिए एक आम मुद्रा का इस्तेमाल किया था।

यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख यरमक ने एनएसए अजित डोभाल से फोन पर की बात

नई दिल्ली। यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख एंड्री यरमक ने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल से बात की। अधिकारियों ने टेलीफॉन पर एक-दूसरे से बात की। दोनों अधिकारियों ने स्विट्जरलैंड में पहले वैश्विक शांति शिखर सम्मेलन की तैयारियों के बारे में बात की। यह जानकारी खुद यरमक ने एक्स पर पोस्ट करते हुए दी। उन्होंने एक्स पर कहा कि भारत के एनएसए डोभाल से फोन पर बात की। इस दौरान स्विट्जरलैंड में आयोजित होने वाले पहले वैश्विक शांति शिखर सम्मेलन की तैयारियों के बारे में बात हुई।

भारत से युद्ध को खत्म कराने की कर चुके हैं अपील

पिछले माह, यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध को दो साल पूरे हुए। दूसरी वर्षगांठ पर यूक्रेन ने भारत से अपील की है कि वह युद्ध का शांतिपूर्ण हाल खोजे। यूक्रेन ने भारत को वैश्विक नेता और ग्लोबल साउथ की आवाज बताया है। यूक्रेन ने कहा कि भारत को रूस के खिलाफ जारी युद्ध का शांतिपूर्ण हल खोजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी ही होगी। यूक्रेन के उप विदेश मंत्री इरीना बोरोवेत्स ने कहा था कि भारत को शांति-खोज समाधान का हिस्सा बनना ही होगा। भारत अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नेतृत्वकर्ता की भूमिका निभा रहा है, इसलिए उससे कई उम्मीदें भी हैं। भारत के रूस और अमेरिका दोनों से अच्छे संबंध हैं। बोरोवेत्स ने कहा कि सबसे पहले, भारत एक वैश्विक नेता है, जो यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करता है। वह रूस-यूक्रेन जंग के शांतिपूर्ण समाधान खोजने में अधिक मुखर होकर कार्रवाई कर सकता है। बोरोवेत्स ने कहा, पीएम मोदी ने गत वर्ष उज्बेकिस्तान में रूसी राष्ट्रपति से यह तक कहा कि यह युद्ध का युग नहीं है। इस बयान को पूरी दुनिया का समर्थन मिला। उन्होंने कहा, यूक्रेन ने मार्च में स्विट्जरलैंड में होने वाले ग्लोबल पीस समिट में भारत को आमंत्रित किया है।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर हुई बात

बातचीत के बाद यूक्रेन की ओर से एक आधिकारिक बयान जारी किया गया। बयान में बताया कि यरमक ने डोभाल को रूस के साथ युद्ध के बारे में जानकारी दी। काला सागर में रूस के खिलाफ युद्ध में पाई सफलता के बारे में बताया। यूक्रेन के रक्षा उत्पादन को मजबूत करने के बारे में भी जानकारी दी। यरमक ने कहा कि रूस उनकी मातृभूमि पर मिसाइलों और ड्रोनों से हमला कर रहा है। रूस हमारे बुनियादी ढांचे को बर्बाद कर रहा है। बयान के मुताबिक, दोनों अधिकारियों ने भारत और यूक्रेन के बीच बातचीत जारी रखने और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर सहमति जताई।

भारत के चुनाव पर दुनिया की नजर, अमेरिकी सांसद ने इन सोशल मीडिया कंपनियों से तैयारियों पर पूछे सवाल

वाशिंगटन। भारत में आम चुनावों को लेकर जोर-शोर से तैयारियां चल रही हैं। इसके साथ ही देशभर में आदर्श आचार संहिता भी लागू हो जाएगी। इन सबके बीच, अमेरिका के एक सांसद ने सोशल मीडिया कंपनियों से पूछा है कि भारत में होने वाले चुनाव के लिए क्या कुछ तैयारी की हैं। दरअसल, मेटा के स्वामित्व वाले व्हाट्सएप सहित सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर अफवाहें और गलत जानकारी को बढ़ाने का एक लंबा इतिहास रहा है। इसी को देखते हुए सांसद ने सवाल खड़ा कर दिया है।

देशों में चुनाव की तैयारियों के बारे में जानकारी

अमेरिकी चुनावों पर निगरानी रखने वाली सीनेट की खुफिया एवं नियम समिति के सदस्य सांसद माइकल बेनेट ने सोशल मीडिया कंपनियों को एक पत्र लिखा है। यह पत्र अल्फाबेट, मेटा, टिकटॉक और एक्स को लिखा गया है। इन कंपनियों से भारत सहित विभिन्न देशों में चुनाव की तैयारियों के बारे में जानकारी मांगी गई है।

जोखिम को बढ़ाने के लिए तैयार एआई

बेनेट ने लिखा, 'चुनावों में नए सोशल मीडिया यूजर्स से ही खतरा नहीं है, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल लोकतांत्रिक प्रक्रिया और राजनीतिक स्थिरता दोनों के लिए जोखिम को बढ़ाने के लिए तैयार हैं। एआई के चलन से पहले की बाधाएं कम हो गईं है, जबकि इससे खतरा और बढ़ भी गया है।' उन्होंने आगे कहा कि इस साल 70 से अधिक देशों में चुनाव हो रहे हैं। दो अरब से अधिक लोग मतदान कर रहे हैं। 2024 लोकतंत्र का वर्ष है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का मतलब होता है कि लोग खुद शासन करते हैं। दुष्प्रचार और गलत सूचना लोकतांत्रिक देश में जहर घोल देती है। आपके मंचों को लोकतंत्र को मजबूत करना चाहिए, न कि इसे कमजोर करना चाहिए।

इन देशों में होने हैं चुनाव

ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, क्रोएशिया, यूरोपीय संघ, फिनलैंड, घाना, आइसलैंड, भारत, लिथुआनिया, नामीबिया, मैक्सिको, मोल्दोवा, मंगोलिया, पनामा, रोमानिया, सेनेगल, दक्षिण अफ्रीका, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका में इस साल प्रमुख चुनावी मुकाबले होने की उम्मीद है।
एक्स के एलन मस्क, मेटा के मार्क जुकरबर्ग, टिकटोक के शॉ जी च्यू और अल्फाबेट के सुंदर पिचाई को बेनेट ने पत्र लिखा है। उन्होंने भाषाएं और पूर्णकालिक या अंशकालिक अनुबंधों पर मध्यस्थों की संख्या और एआई-जनित सामग्री की पहचान करने के लिए अपनाए गए उपकरण सहित प्लेटफार्मों की चुनाव-संबंधी नीतियों, सामग्री मॉडरेशन टीमों के बारे में जानकारी देने का अनुरोध किया है।

कनाडा में भारतीय मूल के दंपति और बेटी की मौत

कनाडा। कनाडा के ओंटेरियो प्रांत में पिछले सप्ताह घर में आग लगने से भारतीय मूल के एक दंपती और उनकी बेटी की मौत हो गई। दरअसल सात मार्च को ब्रैम्पटन के बिग स्काई वे एंड वैन किर्क ड्राइव क्षेत्र में दंपती के घर में आग लगी थी। मृतकों की पहचान राजीव वारिकू (51), उनकी पत्नी शिल्पा कोठा (47) और उनकी बेटी महक वारिकू (16) के रूप में हुई है। मृतकों के जले हुए अवशेषों की पहचान शुक्रवार को की गई।

पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि आग बुझने के बाद जांचकताओं को जले हुए घर के भीतर मानव अवशेष मिले थे, लेकिन उस समय मृतकों की संख्या का पता नहीं चल सका था। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने आग को संदिग्ध माना था। ओंटारियो के अग्नि शमन विभाग ने कहा है कि यह आग आकस्मिक रूप से नहीं लगी थी। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है।

न्यूज डायरी

यूएन का दावा: इस्राइल-हमास संघर्ष के चलते गाजा में भारी तबाही, 2.3 करोड़ टन मलबा इकट्ठा, हटाने में लगेंगे वर्षों

यूएन। फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए यूएन सहायता एजेंसी – UNRWA ने शुक्रवार को कहा है कि गाजा पट्टी को फिर से एक सुरक्षित स्थान बनाने के लिए, वर्षों का समय लगेगा। गाजा में इस्राइल की हर रोज भीषण बमबारी से 20 लाख से भी अधिक गाजावासियों का जीवन तबाह हो गया है। गौरतलब है कि मौजूदा युद्ध सात अक्तूबर को इस्राइल पर हमास के हमलों से भड़का था, जिसमें लगभग 1200 लोग मारे गए थे और 250 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया गया था। इसके बाद से गाजा में इस्राइल के हमलों में 31 हजार से अधिक फलस्तीनी मारे जा चुके हैं और 70 हजार से अधिक घायल हुए हैं।
UNRWA, गाजा में सबसे बड़ी राहत एजेंसी के रूप में, दक्षिणी इलाके में विस्थापित लगभग 15 लाख लोगों को, जीवन रक्षक सहायता व सामग्री उपलब्ध करा रही है। ये एजेंसी लगभग 10 लाख लोगों के लिए आश्रय स्थल चलाती है, जहां लोगों को मानवीय राहत और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं भी मुहैया कराई जाती हैं।

हिंसा में कोई कमी नहीं

इस्राइल की लगातार जारी हवाई बमबारी और जमीनी हमलों और इस्राइली सेनाओं व फलस्तीनी सशस्त्र बलों के बीच युद्ध के बीच भी, जीवनरक्षक सहायता मुहैया कराने का काम जारी रखा गया है। संयुक्त राष्ट्र की मानवीय राहत समन्वय एजेंसी झ्र डउल्ब्अ ने गाजा आपदा के बारे में नवीनतम जानकारी में, लगभग पूरे गाजा क्षेत्र में युद्धक हिंसा जारी रहने की खबर दी है। एजेंसी ने कहा है कि युद्ध में आम लोगों की मौतें होना जारी है, साथ ही लोग विस्थापित हो रहे हैं और लोगों के घर व अन्य बुनियादी ढांचा भी तबाह हो रहा है।
इस बीच, ऑस्टेलिया ने, UNRWA के लिए वित्तीय सहायता बहाल करने के इरादे की घोषणा की है. गौरतलब है कि जनवरी में इस्राइल के इन आरोपों के बाद कुछ देशों ने, इस एजेंसी के लिए वित्तीय सहायता स्थगित करने की घोषणा कर दी थी एजेंसी के लगभग 7-8 कर्मचारी, 7 अक्टूबर को हमास के हमलों में शामिल थे। संयुक्त राष्ट्र की एक उच्चस्तरीय संस्था, इन आरोपों की जांच कर रही है और UNRWA ने भी अपने स्तर पर इस मामले की जांच शुरू कर दी थी। साथ ही, एजेंसी ने, ये आरोप सामने आने के बाद, संबंधित कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया था।
उधर, गाजा के लिए सहायता सामग्री लेकर, कुछ दिन पहले साइप्रस से रवाना हुआ जहाजझ्र ओपन आर्म्स, शुक्रवार को गाजा तट के निकट पहुंच गया है। इस जहाज में लगभग 200 टन सहायता सामग्री भरी हुई है।

भूमध्य सागर पार करने के दौरान नाव डूबी, 34 प्रवासी लापता, दो मौत

ट्यूनीशिया। ट्यूनीशिया में भूमध्य सागर पार कर इटली जाने की कोशिश के दौरान प्रवासियों की नाव डूब गई। जिससे 34 प्रवासी लापता हो गए, जबकि डूबने से दो की मौत हो गई। ट्यूनीशिया के राष्ट्रीय गार्ड ने बताया कि लीबिया तट से रवाना हुई नाव में 70 लोग सवार थे। 34 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। बता दें, इस सप्ताह ट्यूनीशियाई तट रक्षक ने प्रवासियों के पांच शव बरामद किए थे।

उड़ान के दौरान ही अचानक कई फीट नीचे आई फ्लाइट, यात्री चोटिल, घटना के बाद विमान निमार्ता ने बिठाई जांच

न्यूजीलैंड। न्यूजीलैंड जाने वाला एक लातम विमान के अचानक कई फीट नीचे आने से उसमें सवार कुछ यात्री घायल हो गए। इस हादसे के बाद बोइंग ने 787 ड्रीमलाइनर मॉडल की उड़ान भरने वाली एयरलाइनों को कॉकपिट में कुछ स्विचों का निरीक्षण करने की चेतावनी दी है। दरअसल, सोमवार को ऑस्ट्रेलिया के सिडनी के से न्यूजीलैंड के ऑकलैंड के लिए चिली एयरलाइंस लातम उड़ान भर रही थी, तभी विमान अचानक से कुछ फीट नीचे चला गया। इस दौरान विमान में सवार यात्री अपनी सीटों से उछल कर केबिन की छत से टकरा गए। इस हादसे में करीब 50 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 13 अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं।

फ्लाइट अटेंडेंट ने दबाया अनजाने में स्विच

एयरलाइन ने मंगलवार को इस दुर्घटना के लिए तकनीकी घटना को जिम्मेदार ठहराया। लेकिन सूत्रों से मालूम चला कि पायलट को खाना परोसने के दौरान फ्लाइट अटेंडेंट ने अनजाने में पायलट की सीट पर एक स्वीच दबा दिया, जिससे विमान पायलट के नियंत्रण से बाहर हो गया। बता दें कि यह स्विच आमतौर पर ढका हुआ होता है और जब पायलट अपनी सीट पर होता है तो इसका उपयोग नहीं करता है।

हालांकि, इस मामले में चली एयरलाइंस और बोइंग दोनों ने ही किसी भी प्रकार की कोई टिप्पणी करने से इंकार कर दिया है। यूएस फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने बताया कि वह इस मामले की जांच करने और बोइंग को फीडबैक देने के लिए एक करेक्टिव एक्शन रिव्यू बोर्ड (सीएआरबी) बुलाएगा।

पिछले हफ्ते भी हुई थी एक दर्घटना

बोइंग को हाल के वर्षों में कई सुरक्षा मुद्दों का सामना करना पड़ा है। इसमें पिछले हफ्ते ही जापान जा रहे एक बोइंग 777 जेटलाइनर को सैन फ्रांसिस्को से उड़ान भरने के तुरंत बाद आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। दरअसल, उड़ान भरने के तुरंत बाद ही विमान का एक पहिया हवाईअड्डे के पार्किंग में गिर गया, जिससे कई कारें क्षतिग्रस्त हो गईं थी। बता दें कि इस साल बोइंग का शेयर प्राइस 25 फीसदी तक गिर गया है।

सूत्रों से मालूम चला कि पायलट को खाना परोसने के दौरान फ्लाइट अटेंडेंट ने अनजाने में पायलट की सीट पर एक स्वीच दबा दिया, जिससे विमान पायलट के नियंत्रण से बाहर हो गया।

भारत अपने नागरिकों को निकालने पर कर रहा विचार

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि वह कैरेबियाई देश हैती में बिगड़ती कानून व्यवस्था के मद्देनजर अपने 90 नागरिकों को निकालने पर विचार कर रहा है। हैती के संकटग्रस्त प्रधानमंत्री एरियल हेनरी को इस्तीफा देने के लिए मजबूर करने के उद्देश्य से विभिन्न गिरोहों ने देश के प्रमुख प्रतिष्ठानों पर समन्वित हमले शुरू किए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने अपने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा कि हैती में 75 से 90 भारतीय मौजूद हैं जिनमें से लगभग 60 ने जरूरत पड़ने पर भारत लौटने के लिए भारतीय अधिकारियों के साथ पंजीकरण कराया है। उन्होंने कहा, हम सभी को वहां से निकालने के लिए तैयार हैं।

हैती में भारत का दूतावास नहीं है और देश की स्थिति पर डोमिनिकन गणराज्य की राजधानी सैंटो डोमिंगो स्थित भारतीय मिशन के माध्यम से निगरानी रखी जा रही है। विदेश मंत्रालय ने पहले ही सैंटो डोमिंगो के साथ-साथ नयी दिल्ली में नियंत्रण कक्ष स्थापित कर दिया है और आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। सैंटो डोमिंगो स्थित भारतीय दूतावास ने कहा कि वह हैती की राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस और देश के अन्य हिस्सों में मौजूद सभी भारतीयों के संपर्क में है। जयसवाल ने कहा, हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं। अगर जरूरत पड़ी तो हम (भारतीयों को) निकालने के लिए तैयार हैं। हैती में आपराधिक गिरोहों ने पुलिस थानों, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और कुछ कारागारों सहित देश के विभिन्न प्रतिष्ठानों पर हमले किए। हैती में भारतीय समुदाय में डॉक्टर, इंजीनियर और तकनीशियन और कई मिशनरी शामिल हैं।

ट्रूडो बोले- हर दिन इस्तीफा देने का ख्याल आता है

काम बहुत कठिन, व्यक्तिगत बलिदान देना होता है; पिछले साल पत्नी से अलग हुए थे

कनाडा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो अपने काम को कठिन बताया है। साथ ही कहा है कि वो हर दिन इस्तीफा देने के बारे में सोचते हैं।

रेडियो-कनाडा को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा- मैं हर दिन पॉलिटिक्स छोड़ने के बारे में सोचता हूं। इस्तीफा देने का ख्याल हर दिन आता है। जो मैं कर रहा हूं, यह एक पागलपन भरा काम है। व्यक्तिगत बलिदान देना पड़ता है। बेशक, यह बहुत कठिन है, कभी-कभी यह बिलकुल अच्छा नहीं होता।

अगस्त 2023 में ट्रूडो अपनी पत्नी सोफी से अलग हो गए थे। शादी के 18 साल बाद दोनों ने अलग होने का फैसला किया था। दोनों के 3 बच्चे हैं।

जस्टिन पियरे जेम्स ट्रूडो नवंबर 2015 में कनाडा के 23वें प्रधानमंत्री बने थे। वे अप्रैल 2013 से लिबरल पार्टी के नेता हैं। अक्यूबर 2025 में कनाडा में आम चुनाव होने वाले हैं। इसके पहले वहां प्रधानमंत्री चेहरे के सर्वे हो रहे हैं। इन सर्वे में ट्रूडो काफी पीछे नजर आ रहे हैं। उनकी लोकप्रियता कम होती दिख रही है। सर्वे के मुताबिक उनकी लिबरल पार्टी भी कंजर्वेटिव पार्टी से पिछड़ रही है।

इस बारे में चर्चा करते हुए उन्होंने पॉलिटिक्स छोड़ने का जिक्र किया। हालांकि, उन्होंने कहा कि वो अगले चुनाव तक इस्तीफा नहीं देंगे। उन्होंने कहा- मैं राजनीति में लोकप्रिय बनने नहीं आया था न ही मेरा कोई व्यक्तिगत कारण था राजनीति में कदम रखने का। मैं सिर्फ लोगों की सेवा करने के लिए राजनेता बना और मैं जानता हूं कि मैं ऐसा कर रहा हूं।

जस्टिन और सोफी की शादी मई 2005 में हुई थी

कनाडा में ढट पद पर रहते हुए पत्नी से अलग होने वाले ट्रूडो दूसरे प्रधानमंत्री हैं। उनसे पहले उनके पिता और पूर्व पीएम पियरे ट्रूडो 1979 में अपनी पत्नी मार्गरेट से अलग हो गए थे और 1984 में दोनों का तलाक हो गया था। जस्टिन और सोफी की शादी मई 2005 में हुई थी। जस्टिन ट्रूडो कई बार सार्वजनिक तौर पर परिवार के महत्व के बारे में बता चुके हैं।

साल 2020 में अपनी शादी की सालगिरह पर पीएम ट्रूडो ने कहा था कि उनकी पत्नी उनका सबसे बड़ा सपोर्ट सिस्टम, सबसे अच्छी दोस्त और एक बेहतरीन पार्टनर हैं। बुधवार को तलाक की घोषणा करते हुए जस्टिन ने कहा- हमने बहुत कठिन और अहम चचाओं के बात ये फैसला लिया है।

पूरी दुनिया प्रगति कर रही है, वहीं पड़ोसी देश...

पाकिस्तान के सीएए पर की गई टिप्पणियों पर भड़कीं कबोज

नई दिल्ली। भारत ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान को जमकर फटकार लगाई। साथ ही इसे गलत रिकॉर्ड बताया और कहा कि जहां पूरी दुनिया प्रगति कर रही है, वहीं पाकिस्तान एक मुद्दे पर ही फंस गया है। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज उस समय भड़क गईं जब संयुक्त राष्ट्र महासभा में इस्लामाबाद के उच्चायुक्त ने अयोध्या में राम मंदिर और नागरिकता संशोधन अधिनियम का हवाला दिया।

गौरतलब है, 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा में शुक्रवार को पाकिस्तान ने 'इस्लामोफोबिया से निपटने के उपाय' प्रस्ताव को पेश किया था, जिसके पक्ष में 115 देशों ने मतदान किया था। जबकि भारत, ब्राजील, फ्रांस, जर्मनी, इटली, यूक्रेन और ब्रिटेन सहित 44 देशों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। 115 वोट पक्ष में पड़ने के बाद प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया था।

यह गलत रिकॉर्ड

इसी दौरान पाकिस्तान के राजदूत मुनीर अकरम ने अयोध्या में राम मंदिर और सीएए को लेकर कुछ टिप्पणियां की थी, जिसका संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज जवाब दे रही थीं। उन्होंने कहा, 'एक प्रतिनिधिमंडल और उसके द्वारा की गई टिप्पणियों के संबंध में सिर्फ यह ही कहा जा सकता है कि यह गलत रिकॉर्ड है। जहां पूरी दुनिया प्रगति कर रही है, वहीं पाकिस्तान एक मुद्दे पर ही फंस गया है।'

पाकिस्तान पर तीखे वार

अकरम ने अयोध्या में राम मंदिर के अभिषेक के साथ-साथ नागरिकता संशोधन अधिनियम के कार्यान्वयन का भी उल्लेख किया था। कंबोज ने कहा, 'मेरे देश से संबंधित मामलों पर इस प्रतिनिधिमंडल के सीमित और गुमराह दृष्टिकोण को देखना वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है, खासकर जब महासभा एक ऐसे मामले पर विचार करती है जो पूरी सदस्यता से ज्ञान, गहराई और वैश्विक दृष्टिकोण की मांग करता है। शायद इस प्रतिनिधिनंडल के पास ज्ञान नहीं है।'

भागवत कथा के समापन पर कन्हैया मित्तल के भजनों पर झूमे श्रद्धालु

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। घण्टाघर रामलीला मैदान में चल रही भागवत कथा के समापन पर भजन गायक कन्हैया मित्तल ने भजन सुनाकर श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सरावोर कर दिया।

रोशनी से जगमगाएगा साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र, साइट चार में लगेंगी 1 हजार स्ट्रीट लाइटें व 24 हाई मास्ट

उदयवीर सिंह

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र साइट चार का यूपीसीडा ने शनिवार को सर्वे किया। यूपीसीडा की साइट 4 औद्योगिक क्षेत्र के अंधेरे स्थानों को सबसे पहले कवर करने की योजना है। यूपीसीडा द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों में अंधेरे की समस्या का स्थायी हल निकालने के लिए कार्य किया जाएगा।

औद्योगिक क्षेत्र में रोड पर विभिन्न अंधेरे स्थानों को कवर करने के लिए 1 हजार स्ट्रीट लाइट व 24 हाई मास्क लाइट लगाने की प्रकिया शुरू हो गई है।

एसोसिएशन के अथक प्रयास से लगाई जा रही स्ट्रीट लाइटें

करंट क्राइम। साहिबाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अजीत तोमर ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र में लाइट लगने के लिए एसोसिएशन के अथक प्रयास से ही लगाई जा रही हैं वही क्षेत्रीय सांसद जनरल वीके सिंह व नगर निगम को भी पत्र दिया गया था। साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र में जिन स्थानों पर अंधेरा रहता था। पहले उन स्थानों पर स्ट्रीट लाइट लगने की प्रकिया शुरू कराई जा रही है। लाइटें लगने से औद्योगिक क्षेत्र रोशनी से जगमगा जाएगा।

औद्योगिक क्षेत्र के उधमियों में खुशी की लहर

करंट क्राइम। एसोसिएशन के महासचिव मुकेश गुप्ता ने बताया कि यूपीसीडा द्वारा साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र में जो लाइट लग रही हैं, सभी उधमियों में खुशी की लहर है। उन्होंने कहा भाजपा की सरकार उधमियों के लिए काम कर रही है, व्यापारी के हित की बात कर रही है।

क्यूआर कोड स्कैन कर होगी शिकायत

करंट क्राइम। औद्योगिक क्षेत्रों में लगाई जा रही स्ट्रीट लाइट के खंभे में नीचे क्यूआर कोड अंकित किया जाएगा जिसमें संबंधित लाइट का नंबर व संपूर्ण विवरण दर्ज रहेगा। लाइट खराब होने पर क्यूआर कोड स्कैन करने पर इसकी शिकायत हो जाएगी। संविदा फर्म मौके पर पहुंचकर लाइट ठीक करने का कार्य करेगी। यूपीसीडा के क्षेत्रीय प्रबंधक योगेंद्र सिंह ने बताया कि संबंधित फर्म से तीन साल के लिए अनुबंध किया जाएगा जिसके आधार पर स्ट्रीट लाइट आदि का वार्षिक मेंटीनेंस का कार्य होगा।

एक साल तक कम्पनी करेगी लाइटो की देख रेख

करंट क्राइम। यूपीसीडा प्रबंधक योगेश सिंह ने बताया कि साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र साइट 4 को जगमग करने के लिए मेंटीनेंस कम्पनी की व्यवस्था की गई है। धनराशि जारी होने के बाद उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम की ओर से टेंडर आमंत्रित किया जायेगा। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद कार्य शुरू किया जाएगा।

लोनी विधायक नंद किशोर गुर्जर ने की फर्जी आधार कार्ड बनाने वालों पर रासुका लगाने की मांग

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने फर्जी आधार कार्ड बनाने वालों पर रासुका लगाने की मांग की।

विधायक नंद किशोर गुर्जर ने पुलिस उपायुक्त ग्रामीण एवं लोनी कोतवाल को भेजे पत्र में कहा है कि रोहिंग्या और बांग्लादेशियों के बड़े पैमाने पर अवैध रूप से फर्जी आधार कार्ड बनाये जा रहे हैं। इस तरह के आधार कार्ड, देश, प्रदेश और लोनी की सुरक्षा के लिए खतरा हैं। विधायक ने कहा है कि लोनी कोतवाली पुलिस ने रूप नगर इंडस्ट्रीयल एरिया में वार्ड-34 के सभासद पति द्वारा कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से 500 से 2000 रुपये लेकर बनाए जा रहे आधार कार्ड का भंडाफोड़ किया था। विधायक ने कि कहा केंद्र सरकार द्वारा सीएए कानून लागू करने और बांग्लादेशियों-रोहिंगाओं को वापिस भेजने की खबर के बाद लोनी समेत पूरे जनपद में बड़े पैमाने पर बनाए जा रहे हैं फर्जी आधार कार्ड। ऐसे लोगों के तार कट्टरपंथियों और आईएसआई से जुड़े हैं, विधायक ने थाना प्रभारी और पुलिस उपायुक्त से इन लागों पर रासुका के तहत कार्रवाई करने की मांग की है।

नगर आयुक्त ने रमजान के अवसर पर दिये मस्जिदों में पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश

बेहतर व्यवस्थाओं के लिए टीमों का किया गठन

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने रमजान पर्व को लेकर निगम अधिकारियों को व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए हैं जिसके क्रम में समस्त मस्जिदों पर प्राथमिकता पर व्यवस्थाओं को बेहतर करने में निगम की टीम लगी हुई हैं नगर आयुक्त नेअधिकारियों की बैठक बुलाई जिसमें रमजान माह में सफाई व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था को मुख्य रूप से बेहतर बनाए रखने के लिए कहा है। वरिष्ठ अधिकारियों को भी लगातार मस्जिदों क ा निरीक्षण करने को कहा गया है। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए मस्जिदों के आसपास सफाई कराई जा रही है तथा नियमित सुबह शाम पानी का छिड़काव भी गाजियाबाद नगर निगम करा रहा है। सभी मस्जिदों पर प्रकाश की व्यवस्था को भी सुदृढ़ किया गया है तथा पीने के पानी की बेहतर व्यवस्था की जा रही है। मुस्लिम बहुल्य क्षेत्र में आवश्यकता अनुसार सफाई कर्मचारी भी बढ़ाए गए हैं, महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश पर मस्जिदों के बाहर तथा ऐसे क्षेत्र जहां पर मुस्लिम आबादी ज्यादा है वहां आसपास क्षेत्र में

आवागमन में परेशानी ना होइसके लिए मार्गों को मस्जिदों तक गड्ढामुक्त भी किया गया है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में रमजान पर्व पर कैला भट्टा, प्रेम नगर, सेक्टर 23 संजय नगर, शहीद नगर व अन्य क्षेत्र में रमजान पर्व के दौरान व्यवस्थाओं को सुदृढ़ कराया जा रहा है। अरुण कुमार यादव समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को निरीक्षण करने तथा मॉनिटरिंग करते हुए कार्य को बेहतर करने के निर्देश भी दिए गए हैं, जनप्रतिनिधियों का भी विशेष सहयोग निगम द्वारा लिया जा रहा है।

बागपत प्रत्याशी राजकुमार सांगवान के लिए कई गावों का दौरा किया अमरजीत बिड्डी व रणवीर दहिया ने

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। बागपत लोकसभा की मोदीनगर विधानसभा में एनडीए के लोकप्रिय प्रत्याशी डॉ. राजकुमार सांगवान का 18 तारीख को होने वाले कार्यक्रम की तैयारी के लिए शनिवार को सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अमरजीत सिंह बिड्डी व प्रदेश महासचिव रणबीर दहिया ने सैदपुर, प्रथमगढ़ चुड़ियाला, मुरादाबाद, पलोता आदि गांव में मीटिंग कर प्रचार किया। इस अवसर पर सभी ग्रामवासियों ने तन मन धन से चुनाव लड़ाने के लिए कह। रणबीर दहिया व अमरजीत सिंह बिड्डी ने कहा कि डॉ. राजकुमार सांगवान लोकप्रिय प्रत्याशी हैं सभी मिलकर लोकसभा प्रत्याशी का समर्थन करें और एनडीए के प्रत्याशी सांगवान को भारी मतों से लोकसभा में भेजने का काम करें। इस अवसर पर इंद्रपाल व अमरजीत प्रधान सैदपुर, इरफान नेताजी, शत्रुजीत सिंह, चांदवीर व डब्बू चुड़ियाला, दलबीर सिंह मुरादाबाद, नवाब सिंह व योगेंद्र पलोता आदि इस अवसर पर मौजूद रहे।

दैनिक करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे

Sunil Kumar Sharma is in New Delhi.
Follow
3h

उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्रीमण्डल में शपथ लेने के पश्चात नई दिल्ली आवास पर करोड़ो कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्रोत, देश के यशस्वी रक्षा मंत्री आदरणीय श्री Rajnath Singh जी से आत्मीय भेंट की तथा उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। मुलाकातों के भी कुछ जज्बात होते हैं। ये मुलाकात दिल्ली में हुई लेकिन इस मुलाकात के आत्मीय तार गाजियाबाद से ही कनेक्ट हैं। यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। आत्मीय भेंट मार्गदर्शन के इन पलों को कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने अपनी फेसबुक पोस्ट पर साझा किया। इलेक्शन के मौसम में आत्मीय कनेक्शन की यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।